तापमान

अधिकतम 30.6 डिग्री

न्यूनतम 23.6 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, रविवार, 26 अक्टूबर 2025

12 अखाड़ा के माध्यम से अपने शौर्य का करते हैं प्रदर्शन

13 प्रभावित किसान पीएम मोदी से लगाएंगे गुहार

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यू ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

अहिवारा में पटरी से उतरी मालगाड़ी बोगी

भिलाई। भिलाई से अहिवारा तक एसीसी एवं जेके लक्ष्मी साइडिंग के लिए बिछाई गई रेल लाइन पर शनिवार को अचानक मालगाड़ी के चार बोगी पटरी से उतर गई। यह मालगाड़ी नंदिनी अहिवारा में स्थित जेके लक्ष्मी सीमेंट प्लांट से सीमेंट लोड कर भिलाई-3 की ओर आ रही थी। इस लाइन का उपयोग केवल एसीसी अडानी और जेके लक्ष्मी प्लांट से सीमेंट और कच्चे माल की परिवहन के लिए होता है। मालगाड़ी का परिचालन धीमी गति से किया जाता है। मालगाड़ी की गति धीमी होने की वजह से बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे का अमला मौके पर पहुंचा एवं हाइड्रोलिक जैक के माध्यम से बैगन के पहिए को पटरी पर फिर से लाया गया। पूरी तरह से जांच के बाद मालगाड़ी को आगे की ओर रवाना किया गया। गौरतलब हो कि रेलवे साइडिंग पर सिंगल लाइन ही है। यात्री ट्रेनों की आवाजाही नहीं होती। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जामुल साइडिंग से भिलाई की ओर आने वाली एक सीमेंट लोडेड गाड़ी का डिरेलमेंट भिलाई स्टेशन होम सिग्नल के पास घटनास्थल किलोमीटर संख्या 852/2 ए के पास हुआ है।

ड्रायफ्रूट दुकान में लगी आग, सामान खाक

भिलाई। दुर्ग इंदिरा मार्केट में स्थित नवनीत ड्रायफ्रूट दुकान में अचानक शुक्रवार रात आग लग गई। आगजनी में पूरी तरह दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। चंद मिनटों में धुएं का गुबार पूरे बाजार में फैल गया और आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की टीम की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक दुकान से अचानक धुआं उठता देख लोगों ने तुरंत शटर खोलने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी। दुकान के भीतर रखे ड्रायफ्रूट, पैकिंग सामग्री और फर्नीचर जलकर खाक हो गए। आसपास के दुकानदारों ने स्थिति बिगड़ते देख तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। खबर लगते ही कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहा था देह व्यापार, 6 आरोपी गए जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र के स्पा सेंटरों में देह व्यापार का कारोबार बेखौफ तरीके से चल रहा था। जिस पर रोकने यहां की पुलिस पूरी तरह फेल हो रही है। पुलिस ने दबिश देकर स्पा के संचालक, मैनेजर समेत कस्टमरों को पकड़ा है। उनके पास से पुलिस ने कई संदिग्ध किस्म के सामान भी जब्त किया है।

पुलिस ने बताया कि स्मृति नगर जुनवानी में स्थित लोरेंजों और ली वेलनेस स्पा में पुलिस ने दबिश दिया। जहां से स्पा सेंटर के संचालक सुपेला निवासी धनेश्वर सेन ,भिलाई तीन मैनेजर पवन पांडे समेत कस्टमर सुपेला अब्बास अली, प्रगति नगर रचित दास, सुपेला संतोष कुमार,नेहरू नगर गौरव कोठारी को पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत जुर्म दर्ज किया है। पुलिस को मुखबिर ने सूचना देने पर स्मृतिनगर जुनवानी स्थित लोरेंजो स्पा, ली वेलनेस स्पा सेंटर में दबिश देने पहुंचे। जहां पुलिस को पता चला कि संचालकों द्वारा संगठित रूप से अवैध धन लाभ अर्जन के लिए स्पा में मसाज के नाम पर युवतियों से देह व्यापार करवाया जाता था। इस दौरान आईयूसीएडब्लू एएसपी पद्मश्री तंवर के निर्देश पर डीएसपी भारती मरकाम के नेतृत्व में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने ली वेलनेस स्पा के संचालक धनेश्वर सेन, लोरेंजो स्पा मैनेजर पवन पांडे की मौजूदगी में स्पा सेन्टर को चेक किया। जहां से स्पा में संगठित रूप से बाहर की महिलाओं को रखकर कस्टमरों को बुलाकर देह व्यापार का कारोबार किया जाता था। स्पा सेंटर से पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री,कण्डोम व कस्टमरो का रजिस्टर भी जब्त किया गया। कार्रवाई में डीएसपी भारती मरकाम समेत पुलिस कर्मियों का योगदान रहा है।

अलग खबर

स्मृतिनगर पुलिस चौकी क्षेत्र में लंबे समय से संचालन, कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति, इसलिए हौसले बुलंद

यहां पहुंचते है प्रदेश भर के कस्टमर

पुलिस ने बताया कि स्पा सेंटर वालों के पास एक रजिस्टर है जिसमें कस्टमरों का सारा डिटेल उसमें रहता है। स्पा सेंटर आने वाले लोगों को पहले बकायदा मोबाइल से फोटो दिखाया जाता है। उसके बाद फोटो पसंद आन के बाद कीनत की बातचीत होती है। स्पा सेंटर में भिलाई,दुर्ग समेत प्रदेश के कोने-कोने से भी कस्टमर यहां पहुंचते है। स्पा सेंटर के कई संचालक कारोबार को बढ़ाने के लिए कई सुविधा कस्टमरों को दिया जाता है। खासकर स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में खुले स्पा सेटरों की साल भर से चांदी हो गई है। पूरी तरह से यहां का कारोबार पुलिस के संरक्षण में चलता है।

अब तक के है मामले

केस 1

सुपेला थाना क्षेत्र के स्पा सेंटर में पुलिस ने दबिश देकर जुलाई 2025 में द ग्रीन डे स्पा में दबिश देकर पांच युवक युवतियों को पकड़ा था।उनके पास से पुलिस को कई आपत्तिजनक सामान भी मिले है।

केस 2

पांच माह पहले पुलिस ने जुनवानी चौक पर स्थित अगम स्पा सेंटर में पुलिस ने दबिश देकर तीन युवक एक युवती को गिरफ्तार किया था। जहां से पुलिस ने मोबाइल, कस्टमर डायरी , कंडोम समेत आपत्तिजनक सामान मिले।

केस 3

माह सितंबर में पुलिस ने दबिश देकर ईशा होटल में पुलिस ने दबिश देकर होटल मैनेजर और कस्टमर को पकड़ा गया था।पुलिस को होटल से जानकारी मिली कि बाहर से यहां युवतियों को बुलाकर गंदा काम कराया जाता था।

अवैध कारोबार पर पुलिस का अंकुश नहीं

स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में अर्से से अवैध कारोबार बेखौफ तरीके से चल रहा है। जिस पर अंकुश लगाने में पुलिस पूरी तरह फेल है। जब शिकायत लेकर पुलिस के पास फरियादी जाते है। सिर्फ खानापूर्ति ही किया जाता है। मगर समस्याओं का निदान तक नहीं किया जाता है। इसमें चोरी और ठगी के कई बडे मामले अब तक पेडिंग है। जिसे लेकर पुलिस आसपास के सीसी कैमरों तक को खंगालने नहीं जाती है। इस कारण चौकी क्षेत्र में चोरी के दर्जनों मामले अब भी पेडिंग पड़ा है। इस चौकी को संभालने के लिए सब इंस्पेक्टर गुरविंदर संधु को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अंजोरा-नेहरूनगर बाइपास पर मांगों को लेकर दिया धरना

ड्राइवरों की हड़ताल का असर, ग्रामीण क्षेत्रों की 300 से ज्यादा बसें रही प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

वेलफेयर बोर्ड के गठन, चालकों के लिए सुरक्षा कानून लागू करने, शराबबंदी लागू करने जैसी अपनी मांगों को लेकर भारी वाहन चालकों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन के बैनर के तले वाहन चालकों ने जिले के सभी प्रमुख हाईवे पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दीगर प्रदेश से गुजरने वाले वाहन चालकों को समझाइश दी, अपने हितों से अवगत कराया। उन्हें पम्प्लेट भी बांटे। अंजोरा-नेहरूनगर बाइपास रोड पर सुबह 8 बजे से संगठन से जुड़े कार्यकर्ता एकत्रित हुए, जहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की। पूरे दिन गुजरने वाले वाहनों को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने मांगों की जानकारी दी।

अध्यक्ष भरत यादव, प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि लंबे समय से मांग की जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन ने अब तक गंभीरता से नहीं लिया है। इसे देखते हुए ट्रक के पहिए रोककर चालकों को प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस प्रकार का बस यात्री परिवहन संघ और ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन ने समर्थन नहीं किया है। बावजूद इसके 2 हजार से ज्यादा चालकों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। इधर रायपुर-राजनांदगांव रूट की यात्री बसों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 300 बसों का परिचालन प्रभावित रहा। बेमेतरा और कवर्धा में एक भी स्थानीय बसें नहीं चलीं। इधर प्रदर्शन के दौरान संगठन से जुड़े मनोज निर्मलकर, महेश नेताम, बलकार सिंह, अश्वरी, मुकेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे। ड्राइवर महासंघ की मांग है कि ड्राइवरों का 20 लाख रुपए तक का बीमा कराया जाए। छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराब बंदी लागू की जाए। ड्राइवर वेलफेयर का गठन हो। कमर्शियल लाइसेंस पर बीमा की व्यवस्था हो। 10 लाख रुपए दुर्घटना पर मृत्यु पर दिए जाएं। चालक हेल्थ कार्ड जारी किया जाए।

6 से ज्यादा जगहों पर रोकी गई बसें, पब्लिक होते रही परेशान

जानकारी के मुताबिक दुर्ग जिले और आसपास की सीमाओं पर 6 से ज्यादा जगहों पर बसों को रोका गया। इसकी वजह से पब्लिक खासी परेशान रही। मुख्य रूप से जामुल बोगदा, पथरिया, जेवरा-सिरसा, धमधा, कोदवा के पास बसों को रोका गया। मजबूरी में बसों के यात्रियों को वहीं उतारकर वाहनों को लौटा दिया गया। इस घटना के बाद यात्री बस परिवहन संघ ने शनिवार की रात आपात बैठक बुलाई। इस मामले को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों से बात की। देर रात तक समस्या का निराकरण नहीं हो पाया। इधर ड्राइवरों की हड़ताल अब भी जारी है। हड़ताल पर बैठे चालकों ने बाइक रैली भी निकाली।

सुरक्षा नहीं मिलने से दिक्कत

पुलिस सुरक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रही है, इस वजह से ज्यादा दिक्कत है। 300 से ज्यादा यात्री बसें प्रभावित रहीं। 6 से ज्यादा जगहों पर यात्री बसों को रोका गया। जबकि इन ड्राइवरों के साथ एक भी यात्री बस का चालक शामिल नहीं है। हमने मालिकों के साथ आपात बैठक बुलाई है।

-प्रकाश देशलहरा, अध्यक्ष दुर्ग बस मालिक संघ

हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण

हमारा प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। हम बाइपास टोल के पास अनिश्चितकालीन धरने पर हैं। चालक स्वस्फूर्त हमसे जुड़ रहे हैं। हमने यात्री बस मालिक संघ और ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन से पहले ही बात की थी। बाहर से आने वाले वाहनों को भी हमने नहीं रोका। सिर्फ उन्हें उनके हितों की जानकारी दी। पंपलेट बांटे।

-दिलीप सिंह, जिला प्रभारी ड्राइवर महासंगठन

हुआ आर्थिक नुकसान

चालकों की हड़ताल की वजह से ट्रक मालिकों को आर्थिक नुकसान हुआ है। ट्रकों को जबरन रोक दिया गया है। शीघ्र परिवहन शुरू नहीं होने से ट्रक मालिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

-इंद्रजीत सिंह छोटू, अध्यक्ष ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन भिलाई

मवेशी की हत्या मामले में युवक गिरफ्तार

भिलाई। मवेशी हत्या मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। घटना छावनी थाना क्षेत्र की है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि कैम्प 2 निवासी भारत साहू ने शिकायत किया था कि 23 अक्टूबर को संतोषी पारा में आरोपी नंद कुमार भारती ने लाल रंग की गाय को चाकू से वार कर घायल कर दिया था। जिसका उपचार के दौरान मौत हो गया। घटना तीन दिन पहले की है।जानकारी लगने पर बजरंग दल समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों ने छावनी थाने में जमकर प्रदर्शन किया था।

फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। हत्या के फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री पवार ने बताया कि ग्राम अरसनारा मे 22 अक्टूर की शाम को आरोपी ग्राम अरसनारा निवासी लुकेश मैत्रे गोवर्धन चौक के पास आकाश निर्मलकर को पुरानी रंजिश के चलते पेट में चाकू से हमला किया। हत्या के बाद आरोपी मौके पर से फरार हो गया था। नंदिनी थाना प्रभारी पारस ठाकुर ने टीम बनाकर आरोपी की तलाश में जुटे रहे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पतासाजी कर लुकेश को गिरफ्तार किया।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

दुर्ग शहर का सर्वप्रथम डिजिटल स्क्रीन क्लासेस

द्रोणाचार्य IAS अकादमी

New Batch प्रारंभ

TIME : 8.00 AM to 10:00 AM, 5:00 PM to 7:00 PM

CGPSC PRE/MAINS व्यापम

DIRECTOR-GIRISH HARMUKH

8269417977

Our Speciality

★ Offline/ Live Online Classes Available
★ Class Notes+Topic Wise Test Series
★ Recorded Video Lecture Available
★ 1 to 1 Doubt Clear Session

पता : महाराजा चौक, बोरसी रोड, एक्सिस बैंक के पास, दुर्ग (छ.ग.)

त्योहार के चलते अन्य सब्जियों के दामों में भी बढ़ोत्तरी

दो दिन पहले 20 रुपए किलो में बिकने वाली लौकी 70 में बिकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छठ पूजा के कारण लौकी की डिमांड बढ़ गई। शनिवार को लौकी 70 किलो तक बिकी, सामान्य दिनों में यह औसतन 20 रुपए किलो में बिकती है, लेकिन छठ पर्व में नहाए खाए के दौरान लौकी-चावल खाकर उपवास की शुरुआत होती है, इस वजह से लौकी की डिमांड बढ़ गई। इसके अलावा पूजा में इस्तेमाल होने वाले फल और सब्जियों की मांग इन दिनों चरम पर है। इसी वजह से कीमतों में भी तेजी आई है। भिलाई में आकाशगंगा सब्जी मंडी, सुपेला लक्ष्मी मार्केट, कैम्प, पावर हाऊस सहित दुर्ग के प्रमुख बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ देखी गई। महिलाएं पूजा के लिए फल-सब्जियों की खरीददारी में जुटी रहीं। वर्तमान में सब्जियों और फलों में करीब 20-30 रुपए की वृद्धि हुई है। छठ पर्व में लौकी की मांग अधिक रहती है। इस वर्ष छठ के मौके पर आवक अधिक होने के कारण थोक बाजार में लौकी की कीमत 20 रुपए से भी कम हो गई है, लेकिन चिल्हर व्यापारी मौके का फायदा उठाते हुए 70 रुपए किलो लोगों से वसूल रहे हैं।

डाभ नींबू बिक रहा 50 से 60 रुपए में

बाजार में 30 रुपए किले बिकने वाला सिंघाड़ा 50 रुपए किलो, केला 40 रुपए से बढ़कर 60 से 70 रुपए दर्जन, 20 रुपए किलो बिकने वाली लौकी 60 रुपए किलो, शकरकंद 30 रुपए से बढ़कर 50 रुपए किलो और डाभ नींबू थोक में 40 रुपए प्रति नग तो वहीं चिल्हर में 50-60 रुपए पीस बिक रहा है। वहीं नारियल और गन्ने की कीमत में भी पहले के मुकाबले बढ़ोतरी देखी जा रही है। सुपेला के थोक सब्जी व्यापारी अरुण सिंह का कहना है कि छठ पूजा के दौरान हर साल मांग बढ़ जाती है, लेकिन इस बार मौसम और परिवहन खर्च बढ़ने से दामों में और इजाफा हुआ है। आवक अधिक होने से लौकी के दाम में कमी आई है। वहीं दूसरी ओर चिल्हर व्यापारियों द्वारा करीब तीन गुना अधिक मूल्य पर लौकी बेची जा रही है। बावजूद इसके श्रद्धालु कीमत की परवाह किए बिना श्रद्धा और आस्था के साथ पूजन सामग्री खरीद रहे हैं।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार ने आवारा कुत्ते को कुचला

भिलाई। तेज रफ्तार कार ने कुत्ते को कुचलकर फरार हो गया। घटना कोहका का है। मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह सड़ पर कुत्ता बैठा हुआ था। तेज रफ्तार कार चालक ने उसे कुचल दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिखता है कि कुत्ता बैठा था, तभी एक कार आई और उसके ऊपर से गुजर गई। जुनवानी रोड और डीमार्ट बायपास को जोड़ने वाली सड़क पर स्ट्रीट डॉग डिवाइडर के किनारे शांति से बैठा था। कार चालक लापरवाही से यू-टर्न लेते हुए उस कुत्ते पर चढ़ गया। कुत्ता कार के अगले पहिए में फंस गया, लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी। कुत्ते को करीब 500 मीटर तक घसीटा और फिर कार रोककर उसे बाहर निकाला। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

निधन

डी रामा नायडू

भिलाई। सेक्टर-7 निवासी डम्मू रामा नायडू का शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 अक्टूबर को किया जाएगा। अंतिम यात्रा सुबह 10 बजे निवास स्थल से निकाली जाएगी।

विजयम्मा

भिलाई। स्व एआर शशिधरन की पत्नी विजयम्मा 80 वर्ष का 24 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार 27 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रिसाली मुक्तिधाम, भिलाई में किया जाएगा।

दुलीचंद कर्णावट

दुर्ग। जैन समाज के सबसे उम्रदराज वरिष्ठ श्रावक व दुर्ग निवासी दुलीचंद कर्णावट 97 वर्ष का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे राजेश एवं ललित कर्नावट के पिता थे।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने 30 दिन का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

ग्राम पंचायत पऊवारा में 35 महिलाओं के लिए 30 दिवसीय रूरल मेसन राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत करगाडीह में भी 35 महिलाओं का काउंसलिंग पूर्ण कर प्रशिक्षण प्रारंभ कराया गया है।

ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी दुर्ग द्वारा जनपद पंचायत के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक रोहित जायसवाल द्वारा प्रतिभागियों को ईंट, पत्थर, चिनाई, प्लास्टरिंग, फर्श व टाइल बिछाना, वॉटर प्रूफिंग, छत ढलाई, कंक्रीट मिश्रण तैयार करना तथा निर्माण कार्य से संबंधित सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों को कुशल राजमिस्त्रियों की महत्वपूर्ण भागीदारी प्राप्त होगी।

महिलाओं को दिया जा रहा है रूरल मेसन राजमिस्त्री का प्रशिक्षण

कुशल श्रमिकों की बढ़ेगी उपलब्धता

राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्राप्त करने से ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता बढ़ेगी। जिससे आवास निर्माण की गुणवत्ता एवं गति दोनों में सुधार होगा। यह न केवल योजनाओं को मजबूती देगा, बल्कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और सम्मानजनक आजीविका के अवसर भी प्रदान करेगा। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क ड्रेस, टूलकिट एवं भोजन प्रदान किया जा रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीण युवाओं को कुशल और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि कुशल भारत सशक्त भारत की अवधारणा को साकार करने में भी मील का पत्थर साबित होगी।

आरसेटी की भूमिका और उद्देश्य

बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को बढ़ावा देने निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बेरोजगारों को कौशल विकास, उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता से जोड़कर उन्हें स्वालंबी बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्म उत्पादकता, सशक्तिकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देते हैं। इसी क्रम में ग्राम पऊवारा दुर्ग में 35 हितग्राहियों, ग्राम करगाडीह दुर्ग में 35 हितग्राहियों, 30 दिवसीय रूरल मेसन राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।प्रशिक्षण निदेशक गुलशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित है। प्रशिक्षण में पऊवारा में अमित कुमार कुंभकार तथा करगाडीह में सुश्री अनिता चारभे मास्टर ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

कुछ जगहों के पेवर को उखाड़कर बनाया, नहीं पाटा गया गड्ढों को

छठ तालाब का सौंदर्यीकरण के नाम पर खानापूर्ति, अव्यवस्थाओं के बीच होगी पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई में छठ पर्व 25 अक्टूबर से नहाय खाय के साथ शुरू हो गया है। इस मौके पर निगम प्रशासन द्वारा सभी तालाबों की साफ सफाई करने के साथ ही लाइटिंग की व्यवस्था की जाती है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी कुरुद नकटा तालाब में साफ सफाई और व्यवस्था के नाम पर खानापूर्ति की गई है।

इस तालाब में व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए ना तो एक भी दिन निगम के कमिश्नर राजीव पाण्डेय पहुंचे ना जिम्मेदार अधिकारियों ने सही से कोई काम किया। यहां के निवासी जयदीप मौर्य का कहना है कि तालाब के मेड़ में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं छठ माता की वेदी बनाती है और बहां पूजा अर्चना करती है। इस बार उन्हें घास और झाड़ियों के बीच बेदी बनाना पड़ा। निगम ने ऊपर ऊपर सफाई की और उसके बाद चल दिया। कुरुद निवासी विजय सिंह ने बताया कि तालाब के चारों तरफ काफी गंदगी थी। निगम ने किनारे की गंदगी को तो हटाया, लेकिन अभी भी तालाब पानी गंदगी से भरा है। तालाब के पानी में सीवरेज का पानी जा रहा है। मल-मूत्र का पानी तालाब में जाने से उसमें से बदबू आ रही है। पानी काफी संक्रमित हो चुका है। तालाब में पानी का भराव अधिक होने के बाद भी निगम ने गहराई में महिलाओं को जाने से रोकने के लिए कोई रस्सी भी नहीं लगाई है।

नकटा तालाब में बड़ी संख्या में बनाई गई है वेदियां

पेवर ब्लॉक सुधार में हुई खानापूर्ति

पिछले साल की छठ पूजा के दौरान निगम के परियोजना विभाग से तालाब के ऊपर कई लाख रुपए के बजट से पेवर और लाइट लगाने का कार्य किया गया था। यहां पहली बारिश में ही पेवर ब्लॉक दब गए और उसकी सतह ऊंची नीची हो गई है। इसे सुधारने के लिए भी केवल खानापूर्ति की जा रही है। ठेकेदार को चाहिए की वो दबे हुए पूरे भाग के बेस को बेहतर तरीके से बनाए और फिर दोबारा पेवर लगाए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है।

जमीन को नहीं किया गया समतल

निगम कच्चे व खराब सड़कों में मुरुम डालने और तालाब की मेड़ को ठीक करने के लिए हर साल सैकड़ों हाइवा का बजट दिखाता है, लेकिन छठ पूजा के दौरान नकटा तालब में ऊबड़ खाबड़ जमीन में महिलाओं को पूजा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बारिश में मुरुम रेत के हाइवा चलने से यहां बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं, इससे पटाखा जलाते समय या पूजा के दौरान इन गड्ढों में पैर पड़ने से बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है। निगम के अधिकारी यहां मुरुम डालकर गड्ढा पाटने की जगह उसे ऐसा ही छोड़ दे रहे हैं।

निगम आयुक्त ने नहीं दिया कोई जवाब

इस बारे में जब निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। वाट्सअप में मैसेज करने के बाद भी उसका कोई रिप्लाई नहीं किया।

सुधार के लिए दिए गए निर्देश

तालाब में जमीन के समतली करण और पेवर को ठीक करने के साथ ही सही तरीके से सफाई के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है। उनके द्वारा क्या काम किया गया है उसका निरीक्षण किया जाएगा और उसे सुधारा जाएगा।
-येशा लहरे, आयुक्त, जोन 2, नगर पालिक निगम भिलाई।

अखाड़ा के माध्यम से अपने शौर्य का करते हैं प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत अंजोरा , पीसेगांव, चिंगरी में मातर महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। रात में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंजोरा में कंचन जोशी, पीसेगांव में लोक अनुहार चिंगरी में लोकतिहार ने अनुपम प्रस्तुति प्रदान दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। मां लक्ष्मी, भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने प्रदेश वासियों की खुशहाली की कामना की। इस दिन सुबह के समय यादव समाज के लोग नाचते एवं जोश भरे अंदाज में उमंग के साथ उछल उछल कर प्रेरक दोहा लगाते हुए मातर ठौर पहुंचते है, जहां पर खोड़हर गड़ाकर इसकी पूजा की जाती है। साथ ही गौधन को सोहई बांधकर खोड़हर के चारों ओर घुमाया जाता है इसे छत्तीसगढ़ी में दांड़ खेलना कहते है। इस दौरान यादव समाज के लोग अखाड़ा कला के माध्यम से अपने शौर्य का प्रदर्शन भी करते हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि दीप उत्सव के कार्यक्रम दौरान मां लक्ष्मी मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना किया गया। पश्चात शोभायात्रा निकला कर विसर्जन किया जा रहा है। इस अवसर पर सरपंच संतोष सारथी, जस सम्राट पुरण साहू, पूर्व सरपंच दिनेश देशमुख, यादव समाज प्रमुख जयप्रकाश यादव, कार्यक्रम संयोजक धनेश देशमुख, पप्पू निषाद, संतोष निषाद, आशु निषाद, योगेश देशमुख, मिथलेश निषाद, लोकेश साहू, गुमान साहू, मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख, सरपंच द्रोपती देशमुख, उपसरपंच कमल देशमुख, पंच युवराज देशमुख, जितेन्द्र देशमुख, उमा देशमुख, धनीराम बांधे, सुषमा बांधे, युवा मंडल अध्यक्ष खिलेश बेलचंदन, सदस्य हिमांशु, वासु, दुष्यंत सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

- माता लक्ष्मी की प्रतिमा का किया गया विसर्जन

समोदा में डायरिया के तीन नए केस मिले, अब तक 66 मिल चुके

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

समोदा में डायरिया के 3 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही 4 अक्टूबर से लेकर अब तक मरीजों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। 1 मरीज अब भी अस्पताल में भर्ती है। वहीं 10 मरीजों को शनिवार को डिस्चार्ज किया गया। शनिवार को भी कैम्प लगाकर ग्रामीणों की जांच की गई। बता दें कि पिछले 4 अक्टूबर से लगातार मरीज मिल रही है। तीनों लोगों की संदिग्ध मौत भी हो चुकी है। बावजूद इसके गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप नहीं थमा है। पीएचई ने 15 जगहों पर पानी की जांच की। सैंपल लेकर बैक्टीरिया के परीक्षण के लिए रायपुर भेजे गए। 26 अक्टूबर को इसकी रिपोर्ट आनी है। शनिवार को भी डॉ. सीबीएस बंजारे जिला सर्वेलेंस अधिकारी के निर्देश पर हेल्थ विभाग की टीम ने जांच की। इधर बोर से पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। पीएचई की टीम शनिवार को इन बोर का क्लोरीनेशन किया। इसके बाद इसका उपयोग शुरू कराया गया। पीएचई अधिकारी प्रकाश ठाकुर ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। कुछ लोगों ने पाइपलाइन में छेद कर दिया था। ये लाइन नालियों के आसपास से होकर गुजर रही हैं। संभवतः इस वजह से ही परेशानी बढ़ी। बहरहाल जांच की जा रही है। समस्या का निराकरण किया जा रहा है। वैकल्पिक इंतजाम के तौर पर टैंकरों से प्रभावित क्षेत्रों में पानी पहुंचाया जा रहा है। ताकि पेयजल को लेकर दिक्कत न हो।

- पहले से भर्ती 10 मरीज हुए डिस्चार्ज, 1 अब भी इलाज

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन करने का आश्वासन

दुर्ग। एलुमिनी भूगर्भशास्त्र विभाग के हर आयोजन में आर्थिक एवं भौतिक रूप से सहयोग करेंगे। यह निर्णय भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मेलन में लिया गया।

भूगर्भशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के भूगर्भशास्त्र विभाग में आयोजित एलुमिनी मीट में 1993 में प्रवेश लिये विद्यार्थियों से लेकर 2024 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी भी शामिल हुये। भूतपूर्व विद्यार्थियों ने हाल ही में भूगर्भशास्त्र विभाग से 5 विद्यार्थियों के छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित माइनिंग इंस्पेक्टर की परीक्षा में चयनित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विभाग के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भूतपूर्व छात्र आगामी आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु वर्तमान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने में हर संभव सहायता करेंगे।

आईजी गर्ग का शोध लेख राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में हुआ प्रकाशित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग का शोध लेख यूज ऑफ टेक्नोलॉजी इन पुलिसिंग इन्वेस्टिगेशन ऑफ बैंक डकैती केस प्रतिष्ठित सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी जनरल में प्रकाशित हुआ है। यह पत्रिका देश की सर्वोच्च पुलिस प्रशिक्षण अकादमी हैदराबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। जो पुलिसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध और नवाचारों के लिए जानी जाती है। इस शोध लेख में गर्ग ने रायगढ़ शहर में हुई एक बड़ी बैंक डकैती की विवेचना के दौरान गेट पैटर्न एनालिसिस और सीसीटीवी फुटेज एनालिसिस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग को विस्तार से बताया है। यह पहली बार था जब छत्तीसगढ़ में अपराधियों की पहचान स्थापित करने के लिए गेट पैटर्न एनालिसिस तकनीक का उपयोग किया गया। इस तकनीक से आरोपियों की चाल के विश्लेषण को वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में प्रयोग किया गया। जिससे अपराध की तह तक पहुंचने और अपराधियों की उपस्थिति सिद्ध करने में सफलता मिली। लेख में बताया गया है कि कैसे तत्कालीन डीआईजी रायगढ़ के रूप में गर्ग ने अपनी तकनीकी समझ का उपयोग करते हुए न केवल अपराध का 100

- यह विभाग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाई

श्री गर्ग ने बताया कि प्रकरण ने छत्तीसगढ़ पुलिस की पेशेवर दक्षता और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाई दी। शोध पत्र में गेट एनालिसिस की वैज्ञानिक अवधारणा, उसके सिद्धांत, सीमाएं, और अदालत में इसके प्रमाणिक महत्व का भी उल्लेख किया गया है। लेख में यह भी उल्लेख है कि इस प्रकरण के बाद गर्ग ने सीसीटीवी कैमरों के लोकेशन और विवरण के प्रबंधन के लिए त्रिनयन एप, चोरी हुए वाहनों की जानकारी के लिए सशक्त एप विकसित कराया। जिससे अपराध अन्वेषण सुगम हुआ है। यह उपलब्धि न केवल दुर्ग रेंज पुलिस बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए गर्व का विषय है।

पटाखा फोड़ने से मना किया तो महिला को जलाया

भिलाई। छावनी थाना अंतर्गत न्यू संतोषी पारा कैम्प-2 में पटाखा फोड़ने को लेकर उपजे विवाद में प्रियंका नामक महिला पर ही पटाखा फेंककर जला दिया। महिला के पति जितेंद्र चौधरी की शिकायत पर पुलिस ने गोवर्धन यादव और सूरज यादव के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि घटना 22 अक्टूबर को शाम करीब साढ़े 7 बजे की है। जितेंद्र पेशे से क्रेन ऑपरेटर है।

बघेरा के सूने मकान में चोरी, 60 हजार ले भागे चोर

भिलाई। कोतवाली थाना अंतर्गत बघेरा स्थित सूने मकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसा। अंदर आलमारी में रखे 60 हजार रुपए नगद पर हाथ साफ कर दिया।

सूचना पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शिशुपाल सिंह लोक निर्माण विभाग बीजापुर में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ हैं। 21 अक्टूबर की सुबह करीब 11 बजे वे परिवार के साथ दिवाली मनाने मालाढबरी घुमका चले गए। 23 अक्टूबर को लौटे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। अंदर सामान बिखरे हैं, आलमारी से कैश गायब है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

जगजीवन आयुर्वेद
धातु की कमी, नामर्दी उत्तेजना की कमी, लिंग में छोटापन, ढीलापन, पतलापन, टाईमिंग की कमी, शुगर से सेक्स में कमी, शुक्राणु की कमी संतान न होना, आदि सभी गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है.
आज ही गारंटी से इलाज कराएँ.
पुलगाँव चौक, महालक्ष्मी मार्केट शॉप नं.C11 दुर्ग, मो. 7869433660, 9399486858

न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर दुर्ग (छत्तीसगढ़)

ज्ञापन

क्रमांक 590 /ए, विवाह अधि./ 2025-26 दुर्ग, दिनांक 23/9/2025

प्रति,

1. श्रीमती अरुणा H/o स्व. गुणवंत राव मेश्राम आवेदक के पालक, पता म.नं. 32 कोसा नगर, (संतोष चौक) वार्ड नं. 2, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490020.

2. श्रीमती कुसुम खातून H/o मो. वसीम आवेदिका के पालक, पता- ग.न.- 1094, कृष्णा नगर, बालाजी चौक, वार्ड नं.-3, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)- 490023.

द्वारा:- तहसीलदार.....

विषय :- विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत प्रस्तुत विवाह के संबंध में।

सर्वसाधारण को जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विषयांतर्गत आवेदक पंकज मेश्राम आवेदिका हजरीना खातून द्वारा अपने विवाह हेतु विशेष विवाह अधिनियम के तहत इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदको के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र मय, फोटोयुक्त प्रति आपकी ओर सूचनार्थ प्रेषित की जा रही है। अतः उक्त विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति हो तो आप नियत दिनांक 6/11/25 को मेरे समक्ष समय 11.00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक बाद प्रस्तुत आपत्ति या कथन मान्य नहीं होगी।

संलग्न :- अभिप्रेत विवाह की सूचना।

मुहर — विवाह अधिकारी एक अपर कलेक्टर दुर्ग, जिला-वर्ग (छ.ग.)

एचआईवी एड्स के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व पर छात्रों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 के अवसर पर रेड रिबन द्वारा एड्स जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम के अन्तर्गत एचआईवी एड्स रोगियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्याख्यान, एड्स जागरूकता पर फिल्म युवाओं की मनो-सामाजिक समस्याओं के लिए उपचारात्मक रणनीतियों पर व्याख्यान, प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए आहार पर व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, एचआईवी एड्स पर विशेषज्ञ का दृष्टिकोण, युवा रेड-क्रॉस स्वयं सेवक अंतरग्रहण का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने बताया कि इस सप्ताह का उद्देश्य एचआईवी एड्स से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, एचआईवी से संक्रमित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना और सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा देना है। नोडल अधिकारी प्रो. रेशमा लाकेश ने जागरूकता कार्यक्रम से छात्राओं को एड्स के लक्षण, एड्स कैसे फैलता है, एड्स से बचाव के लिए कौन-कौन से सावधानियाँ है, आईसीटी सेंटर तथा एआरटी सेंटर के बारे में बताने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों को एड्स संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु

- रेड रिबन ने किया कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 30 को

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के आईक्यूएसी एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दुर्ग विश्वविद्यालय, परिक्षेत्र के संयुक्त द्वारा 30 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा : सृजन और संरक्षण की अंतर यात्रा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन रूसा 2.0 के अंतर्गत किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उच्चशिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, विशिष्ट अतिथि महेन्द्र कपूर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एबीआरएसएम, प्रोफेसर राजीव प्रकाश निदेशक, आईआईटी भिलाई एवं डॉ. संजय तिवारी, कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय तथा मुख्य वक्ता डॉ. सीडी आगासे प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, शशांक शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी रायपुर, रामनाथ कश्यप प्रांत संगठन मंत्री, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम एवं डॉ. राजेश पाण्डेय पूर्व क्षेत्रीय अपर संचालक दुर्ग संभाग होंगे। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ की जनजातियों के पारंपारिक ज्ञान, प्रकृति से उनकी सहभागिता, उनकी पारंपरिक एवं जैविक खेती की विधियां, लोक पर्व एवं वाचिक परंपराएं, सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण, पारंपरिक शिल्प, लोक गीत तथा छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक संत परंपरा, पारंपरिक खेलों में ज्ञान परंपरा तथा जनजातियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर विषय विशेषज्ञों द्वारा इन विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे।

खबर संक्षेप

मानस गोष्ठी ग्राम अछोटी में कल

अंडा। मानस गोष्ठी ग्राम अछोटी अखिल ब्रह्मण के नायक करुणावरुणालय विश्वरूप राम चंद्र की असीम अनुकम्पा से ग्राम अछोटी में मानस सुधा परिवार एवं समस्त ग्रामवासी के संयुक्त तत्वाधान में मानस संगोष्ठी का आयोजन 27 अक्टूबर को किया गया है। दीप प्रज्वलन सुबह 9.00 बजे, पूजा अर्चना, सुबह 9.30 बजे , मंगलाचरण स्थानीय मानस मंडली द्वारा, सुबह 10.30 बजे मानस संगोष्ठी प्रारंभ समापन विसर्जन रात्रि 8.00 बजे आयोजक जय तुलसी मानस मंडली , जय मां शीतला महिला मानस मंडली , ग्राम पंचायत एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी राजेंद्र साहू ने दी।

बहन के साथ अभद्रता का विरोध करने पर मारपीट

जामगांव आर। जामगांव आर थाना अंतर्गत धमना में बहन के साथ अभद्रता पर विरोध जताने पर भाई अजय कुमार नेताम के साथ आरोपी ने मारपीट की। घटना 21 अक्टूबर की रात 8 बजे की है। इस दौरान बीच-बचाव करने आए अजय के छोटे भाई विजय नेताम और मां गीता नेताम भी जख्मी हो गए। जिन्हें उपचार हेतु बठेना हॉस्पिटल धमतरी ले जाया गया। सरपंच लोकेश महिलवार ने इस घटना को दुर्भाग्य पूर्ण बताया है। जामगांव आर पुलिस ने बीएनएस 296,115(2) 351 (3) और 3 (5) के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम प्रक्रिया अनुरूप कार्यवाही शुरू कर दी है। जामगांव आर थाना प्रभारी फ़ागु राम लहरें ने बताया कि प्रार्थी उनके भाई एवं मां को लगी चोट की चिकित्सीय रिपोर्ट आने पर अन्य आवश्यक धाराओं को जोड़कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। थानेदार ने कहा कि अशांति फैलाने वालों को किसी भी हालत में नहीं बख्शा जाएगा।

पोषण माह में सिखाया मिलावट को परखना

उतई। केन्द्रीय विद्यालय सी आई एस एफ उतई भिलाई में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गीतू द्वारा कक्षा 11 में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं कक्षा 6 और 9 द्वारा विशेष प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं। कक्षा 9वी की छात्र छात्राओं ने विभिन्न खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाले मिलावट को परखना सिखाया। सुनीता गवांडे, जिला अस्पताल दुर्ग की आहार विशेषज्ञ सपना शर्मा और ममता साव ने उपयोगी जानकारी दी। प्राचार्य भुवनेश्वरी ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी।

गौरा-गौरी पूजन किया बंजारे ने, लिया आशीर्वाद

भिलाई। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने अपने गृहग्राम खेदामारा में गौरा-गौरी उत्सव में भागीदारी दी। उन्होंने गौरा-गौरी की पूजा अर्चना की। श्रीमती बंजारे का इस अवसर पर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में ग्रामवासियों से पर्व परंपरा को बरकरार रखने की अपील की। यह जानकारी भारत लाल गेंड्रे ने दी।

मामला 400 केवी विद्युत टॉवर लाइन परियोजना में मुआवजे का

प्रभावित किसान पीएम मोदी से लगाएंगे गुहार

मुआवजा राशि की दर को लेकर असंतोष है भू-स्वामियों में

हरिभूमि न्यूज ⏭उतई

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत 400 केवी विद्युत टावर लाइन परियोजना से प्रभावित किसानों ने लंबित मुआवजा प्रकरण को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को एक पत्र प्रेषित किया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रत्यक्ष मुलाकात हेतु समय दिलवाने का अनुरोध किया है। किसानों ने बताया कि यह प्रतिनिधि मंडल किसान नेता एवं जनपद सदस्य ढालेश साहू के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जी से मुलाकात करेगा।

किसानों ने पत्र में उल्लेख किया है कि दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के अनेक किसानों की भूमि इस परियोजना से प्रभावित हुई है, परंतु शासन के नवीन आदेश के बावजूद अब तक उन्हें मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। शासन द्वारा 10 मार्च 2025 को जारी नवीन शासनादेश के अनुसार टावर बेस क्षेत्र की भूमि का 200 प्रतिशत तथा लाइन क्षेत्र का 30 प्रतिशत मुआवजा दिए जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद प्रभावित किसानों को अब तक यह लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे क्षेत्र में गहरा असंतोष व्याप्त है। किसानों ने इस मुद्दे को उच्च स्तर पर उठाने का निर्णय लिया है और आगामी 1 नवंबर 2025 को राज्योत्सव एवं रजत महोत्सव समारोह के अवसर पर नया रायपुर (अटल नगर) पधार रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर अपनी समस्या से अवगत कराने की योजना बनाई है।

इसके लिए किसानों ने एक मुख्य प्रतिनिधि समिति का गठन किया है, जिसमें बंसीलाल देवांगन, रूपेन्द्र रिगरी, पुकेश साहू, गजेन्द्र साहू, रमेश गजपाल, जसलोक साहू, रनमत साहू तथा गेंदलाल देशमुख को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति का उद्देश्य प्रधानमंत्री जी को सीधे किसानों की बात पहुंचाना और मुआवजा प्रकरण का शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराना है। किसानों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। कि वे प्रतिनिधि मंडल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करने हेतु समय प्रदान करने की अनुशंसा एवं अनुमति दें, ताकि किसान समुदाय अपनी समस्याओं और अपेक्षाओं को सीधे प्रधानमंत्री जी के समक्ष रख सके। किसानों ने विश्वास व्यक्त किया है कि मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से इस लंबे समय से लंबित प्रकरण में न्याय अवश्य मिलेगा।

से-9 हनुमान मंदिर में 501 किलो लड्डू का भोग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेक्टर-9 के प्राचीन हनुमान मंदिर में शनिवार को भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित भव्य पूजा-अर्चना में 501 किलो लड्डू का भोग अर्पित किया गया। इस मौके पर मंदिर परिसर जय हनुमान के जयघोष से गूंज उठा।पूरे आयोजन में धार्मिक उल्लास और सामुदायिक एकता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और बोल बम सेवा समिति के संस्थापक दया सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों ने श्रद्धापूर्वक हनुमान जी की पूजा-अर्चना की और भक्तों के बीच प्रसाद वितरण में भाग लिया।

बता दें कि सेक्टर-9 क्षेत्र पहले आमदी गांव के नाम से जाना जाता था। उस दौर में दाऊ हीरा मनी चंद्राकर परिवार ने अपनी निजी भूमि पर इस हनुमान मंदिर का निर्माण कराया था। उसी परंपरा को जीवंत करते हुए आयोजन में चंद्राकर परिवार को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। परिवार के सदस्यों ने पूजा में भाग लेकर अपने पूर्वजों की आस्था को नमन किया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन और महाआरती के दौरान भक्तों में खास उत्साह नजर आया। लड्डू भोग के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जिला कोषाध्यक्ष विनोद सिंह, पार्षद चंदेश्वरी बांध समेत स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

विस्तार से समझाया नर्सिंग माड्यूल

हरिभूमि न्यूज ⏭कुम्हारी

विगत दिनों मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी मे ₹नर्सिंग मॉड्यूल्स " पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन नर्सिंग कैंप्स के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महाराज जी रावतपुरा सरकार एवं कैंपस डायरेक्टर डॉ. प्रकाश राव के मार्गदर्शन में संम्पन्न हुआ।

कार्यशाला के पहले और दूसरे दिन एस बी ए मॉड्यूल (7वाँ सेमेस्टर) के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रसूति एवं स्त्री रोग से संबंधित नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके पश्चात दो दिन बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी एल एस) और पैलिएटिव केयर मॉड्यूल का आयोजन किया गया, जिसमें बी.एस सी. नर्सिंग के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं अगले दो दिन द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए हेल्थ असेसमेंट मॉड्यूल का आयोजन हुआ।

■ मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग कुम्हारी में पांच दिवसीय आयोजन

इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. वर्निश कुमार एवं उप-प्राचार्या डॉ. फिबिना चिलाटे ने मुख्य अतिथियों डॉ. अशोक शर्मा (संस्थापक, नर्सिंग चैम्प्स) एवं रंजीत कुमार (कार्यक्रम संयोजक) का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नर्सिंग क्षेत्र की नई-नई विधियों और तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला के समापन के अवसर पर छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य का मनमोहक आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। समापन सत्र में डॉ. अशोक शर्मा ने विद्यार्थियों को नर्सिंग क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. फिबिना चिलाटे, उप-प्राचार्या, मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कर्मचारी संगठन रवेली ने प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭सेलूद

कर्मचारी संगठन रवेली द्वारा भाईदूज मातर महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में गांव के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। संगठन पिछले 23 वर्षों से निरंतर इस आयोजन को सफलतापूर्वक कर रहा है। गांव के अनेक होनहार बच्चे आज देश-विदेश में अपनी प्रतिभा के बल पर गांव का नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. सौम्या वर्मा को प्रथम प्रयास में नीट-पीजी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वे वर्तमान में शासकीय गांधी मेडिकल कॉलेज में एम.डी. मेडिसिन की पढ़ाई कर रही हैं। इसी तरह नूतन साहू को 10वी बोर्ड में 500 अंक, प्रीति साहू को 10 वी बोर्ड 461 अंक, अंजू को 461, नेहा वर्मा को 10 वीं बोर्ड में 497, शिवांगी वर्मा 12वीं बोर्ड में 410, मयंक वर्मा को 12वीं सीबीएसई में 526 और तनय वर्मा 10वीं सीबीएसई में 572 अंक अर्जित करने पर सम्मानित किया गया। प्रथम बार सेवा में नियुक्त दिलेश्वर प्रसाद कश्यप, हर्ष वर्मा को भी

■ गांव के बच्चे विदेशों में कर रहे हैं नाम रोशन, 23 वर्षों से जारी है सम्मान समारोह की परंपरा

अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले 23 वर्षों में रवेली गांव के बच्चों ने शिक्षा, प्रशासन, तकनीक और विदेशों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संगठन के शासन के अधीन पंजीकृत होने से हमें और मजबूती मिली है। भविष्य में संगठन शासन के सहयोग से बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगारमूलक कार्यशालाएं आयोजित करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविशंकर वर्मा थे। अतिविशिष्ट अतिथि चेलाराम नायक, छन्नूलाल वर्मा एवं अंगीरा वर्मा उपस्थित रहे।

संगठन के सचिव राजकुमार वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों और सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मपाल वर्मा एवं राजेश वर्मा ने किया। सम्मान समारोह के पश्चात सांस्कृतिक मंच 'लोकधारा' द्वारा रंगारंग लोकसांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका आनंद बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने उठाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से कौशल वर्मा, प्रमोद वर्मा, डीलेश वर्मा कोषाध्यक्ष, जन्मेजय वर्मा, जयंत वर्मा, संतोष वर्मा, विजय वर्मा, हेमशंकर वर्मा, देवेंद्र नायक, धनंजय वर्मा, अशोक चंद्राकर, रामप्यारे वर्मा, टोमन साहू और भुनेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

बीएसपी ने पीएम केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग को नवविकसित खेल मैदान सौंपा

भिलाई हमेशा समाज के सर्वांगीण विकास के लिये प्रयासरत रहा : प्रशान्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

बीएसपी ने अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत शिक्षा और खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए पीएम केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के खेल मैदान का पुनर्विकास कर उसे विद्यालय प्रशासन को सौंपा। विद्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित गरिमामय समारोह में मैदान का औपचारिक उद्घाटन और हस्तांतरण मुख्य अतिथि बीएसपी के महाप्रबंधक जनसंपर्क प्रशान्त तिवारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उप महाप्रबंधक

अपर्णा चंद्रा, सहायक महाप्रबंधक जवाहर बाजपेयी, उप प्रबंधक कमल कान्त वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा, उप प्राचार्य पुष्पा बाड़ा, प्रधानाध्यापक डॉ. अजय आर्य, खेल प्रशिक्षक सुरेश कुमार, टीजीटी बिन्दु शिवराजन, कमल सोनी, मीनाक्षी चंद्राकर, अल्तमस सहित अन्य शिक्षकगण, विद्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया।

सभी क्षेत्रों में बीएसपी का रहता है योगदान

मुख्य अतिथि तिवारी ने कहा कि विद्यालय आकर उन्हें अपने छात्र जीवन की मधुर यादें स्मरण आ गईं। उन्होंने अपने संबोधन में बीएसपी की सीएसआर गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संयंत्र सदैव शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के साथ ही अन्य सभी क्षेत्रों में योगदान देकर समाज के सर्वांगीण विकास लिए प्रतिबद्ध रहा है। "समृद्धि तब ही सार्थक है जब उसका लाभ समाज के साथ बांटा जाए।" बीएसपी इसी सोच के साथ कार्य करता है कि उसकी उपलब्धियों की रोशनी शिक्षा और विकास के हर कोने तक पहुंचे।" बीएसपी वनांचल और परिधीय क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास और सहयोग के लिए निरंतर प्रयास करता आ रहा है।

विद्यालय के सर्वांगीण विकास में होगी सहायक

विद्यालय के प्राचार्य मिश्रा ने बीएसपी के प्रति आभार व्यक्त किया। खेल मैदान के विकास से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट खेल अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। उन्होंने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। पीएम केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के खेल मैदान के पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य महाप्रबंधक शिवराजन के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यजनों ने मैदान के पुनर्विकास कार्य की सराहना की और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिये अपनी शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक डॉ. अजय आर्य ने किया। भिलाई स्टील प्लांट की यह पहल न केवल एक खेल मैदान के विकास तक सीमित है, बल्कि यह समाज में साझी समृद्धि और संवेदनशीलता की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

अंचल की खबरें

मां लक्ष्मी प्रतिमा का हुआ विसर्जन

अंडा। ग्राम पंचायत चिंगरी में दीपावली पूजन के बाद बस्ती चिंगरी में मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन के समय श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। भक्ति गीतों पर झूमते हुए उन्होंने प्रतिमाओं को विसर्जित किया। विसर्जन के दौरान ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। लोगों ने मां लक्ष्मी के अंतिम दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों के साथ देवी मां का प्रवास निकाला गया। सभी श्रद्धालुओं ने देवी से क्षेत्र की उन्नति, उत्तम स्वास्थ्य और शांति के लिए प्रार्थना की।

अंजना को मिला मदर टेरेसा सम्मान

कुम्हारी। विगत दिनों विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर कुरूद में आयोजित राज्य अलंकरण शिक्षक सम्मान महोत्सव 2025 में शासकीय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जंजगिरी की शिक्षिका अंजना सिंह को राज्य अलंकरण 2025 का मदर टेरेसा सम्मानर प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें नेशनल एजुकेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग की तरफ से दिया गया।

धनोरा बजरंग पारा में लक्ष्मी माता स्थापित

उतई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा के पास मां लक्ष्मी की मुरती स्थापित किया गया। सोमवार की रात पुरे गांव के लोगों ने दीप जलाकर माता रानी की पूजा अर्चना की और माता रानी से धन-धान्य और सभी के लिए मंगल कामना की। 21 अक्टूबर मंगलवार को हवन पुजा करके खिचड़ी प्रसाद वितरण किया गया। समिति के अध्यक्ष बलराम बबलू साहू ने बताया कि 22 अक्टूबर बुधवार को दोपहर मां लक्ष्मी की विसर्जन शोभा यात्रा धूम धाम से निकाली गई। श्री राम धुमाल पार्टी दुर्ग की भागीदारी से सभी भक्त प्रेम पुर्वक नाचते हुए चलते रहे जो कि बजरंग पारा से बाजार चौक, मेन गली, शीतला पारा होते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर पारा होते हुए खंती तालाब पहुंचे। जहां पर मांता रानी की आरती की गई। फिर नाव में बैठा कर विसर्जन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप लक्ष्मण बाबा,बलराम बबलू, गज्जू रायपुरिहा, भोलू, खिलेशवर साहू, गुलाब साहू, मनसुखा साहू, दूरगेन्दर साहू, लक्की पटेल, मुकुल पटेल, महेन्द्र पटेल, लक्ष्मण साहू, भुपेश साहू, भुपेंद्र मारियल साहू, कुंभकरण पटेल, अजय हिरवानी, अंजोर साहू, चेतन साहू, तोमन गजपाल, रामेशवर साहू, तानू पटेल, भोज साहू और भदरी सपरे आदि भक्त गण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री का जताया आभार

भिलाई। अहिवारा विधायक राजमहंतर डोमनलाल कोसेवाड़ा को छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरीशंकर के नेतृत्व में सीएम विष्णु साय से मुलाकात कर आत्रभार व धन्यवाद जताया। इस दौरान प्रथम आगमन पर चरोदा मंडल में कालीबाड़ी के समीप विधायक कोसेवाडा का स्वागत भी किया गया। इस दौरान राजेश मौर्य एव पूर्णिमा ठाकुर , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शशिकांत बघेल, सतीश साहू, चंद्र प्रकाश पांडे, परमजीत सिंह, डी वेंकट जी,आर एस व्यापारी ,जी रामा रेड्डी ,वेद प्रकाश पांडे , आशीष, वरलक्ष्मी, जयप्रकाश पांडेय,पुष्पलता मण्डपे समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

आस्था और आत्मसंयम का दिन

'खरना'

शुद्धता, श्रद्धा और सूर्य उपासना का अद्भुत संगम

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला ऐसा अनुष्ठान है, जिसमें सूर्य उपासना, तप और पवित्रता का विशेष महत्व होता है।

'नहाय खाय' से प्रारंभ यह पर्व दूसरे दिन 'खरना' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर शाम को सूर्यदेव और छठी मैया को गुड़ की खीर का प्रसाद अर्पित करती हैं। यह दिन आत्मशुद्धि और संकल्प की शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

जानिए महत्व और पूजन विधि

क्या है खरना?

'खरना' शब्द का अर्थ होता है शुद्धिकरण। छठ पूजा के इस दूसरे दिन व्रती पूरे दिन जल और अन्न का त्याग करते हैं। शाम को सूर्यास्त के बाद मिट्टी के चूल्हे पर गुड़ की खीर, रोटी (रोटीया) और केले का प्रसाद तैयार किया जाता है। इस प्रसाद को आम की लकड़ी से जलाए गए चूल्हे पर बनाना शुभ माना जाता है।

पहले व्रती स्वयं प्रसाद ग्रहण करते हैं, फिर परिवार और समाज के लोगों के बीच इसे बाँटा जाता है। माना जाता है कि इस दिन व्रती का तन-मन शुद्ध होता है और वह अगले दो दिनों के कठोर व्रत के लिए तैयार होता है।

खरना की पूजन विधि

* सूर्योदय से पूर्व स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
* पूरे दिन निर्जल उपवास रखें।
* शाम को मिट्टी या कांसे के बर्तन में गुड़ की खीर और रोटी बनाएं।
* प्रसाद तैयार करते समय किसी प्रकार की अशुद्धि न हो, इसका विशेष ध्यान रखें।
* पूजा स्थल को गंगाजल से पवित्र करें और दीपक जलाएं।
* सूर्यदेव और छठी मैया को खीर, रोटी और केला अर्पित करें।
* व्रती पहले प्रसाद ग्रहण करें, फिर परिवार के अन्य सदस्यों में बाँटें।

खरना के बाद की तैयारी

खरना के अगले दिन व्रती और श्रद्धालु नदियों, तालाबों और सरोवरों के तटों पर पहुंचते हैं। वहां वे डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह पर्व संपन्न होता है।

इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक छठ गीत गाती हैं, दीप जलाए जाते हैं और वातावरण भक्ति और उल्लास से भर जाता है।

* खरना के दिन विशेष सावधानियां
* पूजा स्थल और घर में पूर्ण स्वच्छता रखें।
* चारों दिन प्याज-लहसुन का सेवन वर्जित है।
* व्रती को पलंग पर नहीं सोना चाहिए।
* प्रसाद उसी स्थान पर बनाएं जहाँ रोजमर्रा का भोजन नहीं पकता।
* सूर्य को अर्घ्य दिए बिना कुछ भी न खाएं-पीएं।

'खरना' केवल एक पूजा नहीं, बल्कि संयम, शुद्धता और आस्था की परीक्षा है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि जब श्रद्धा अटूट हो और मन निर्मल, तो ईश्वर स्वयं साधक के समीप आ जाते हैं। सूर्यदेव की उपासना जीवन में ऊर्जा, स्वास्थ्य और समृद्धि का संचार करती है।

04 त्यौहार-शादियों के लिए तैयार कराएं ऐसे लहंगे, जो रहते हैं हमेशा चलन में

लाइव इवेंट

हिमाचल के साहसिक शिविर में पहुंचेगी अनुकृति, ट्रैकिंग का लेंगी अनुभव

भिलाई। स्वामी श्री स्वरुपानंद सरस्वती महाविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय स्वयंसेविका अनुकृति पारकर का चयन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की 10 सदस्यीय प्रतिनिधि टीम में हुआ है, जो आगामी साहसिक प्रशिक्षण शिविर में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। यह शिविर 24 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित होगा। इस राष्ट्रीय स्तरीय शिविर में देशभर के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में रा.से.यो. स्वयंसेवक भाग लेंगे। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसे ट्रैकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रिवर क्रॉसिंग, रैपलिंग आदि का अनुभव कराया जाएगा। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता एवं नेतृत्व गुणों को विकसित करने में सहायक होगा।

■ विवि टीम में चयन से महाविद्यालय में उमंग की लहर

अनुकृति पारकर के इस चयन से महाविद्यालय परिवार में अपार हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। इस अवसर पर डॉ. दीपक शर्मा, निदेशक, शंकराचार्य एजुकेशनल कैंपस, हुडको, डॉ. हंसा शुक्ला प्राचार्य, संयुक्ता पाढ़ी, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो. तथा संपूर्ण महाविद्यालय परिवार ने अनुकृति को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। अनुकृति ने अपने चयन का श्रेय महाविद्यालय के प्रोत्साहन, रा.से.यो. प्रशिक्षण एवं स्वयं के समर्पण को दिया है। उन्होंने कहा कि वे इस शिविर में पूरी निष्ठा एवं उत्साह के साथ भाग लेकर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए संकल्पित हैं। यह उपलब्धि रा.से.यो. इकाई के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है तथा अन्य स्वयंसेवकों को भी उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है।

सिटी इवेंट

महिलाओं ने खेले गेम, पुरस्कार पाकर खिल उठे चेहरे

भिलाई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना दुर्ग-भिलाई इकाई के तत्वावधान में दीपावली मिलन बड़े ही जोर शोर से सेलिब्रेट किया गया। जिसमें सभी सदस्यों ने आपस मे दीपावली की शुभकामनाओं का आदान प्रदान किया। और सभी खेलो को खूब मस्ती के साथ एन्जॉय किया। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक गेम्स खेले गए। जिसमें खेलो के पुरस्कार पाकर सभी महिलाएं बच्चों की तरह झूम उठी। सक्रीय सदस्य किरण सिंह ने बताया कि दीपावली की थकान के बाद इस आयोजन से एक बार फिर उन सभी को ऊर्जा मिली है। कल से छठ पर्व का प्रथम दिन है, तो छठ के गीत गाये गए। दिए जलाकर दीवाली मनाई गई । इस अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वालों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी के लाये अनेको स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लिया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष किरण सिंह द्वारा सभी को गिफ्ट बांटे गए। इस मौक़ पर जिला अध्यक्ष ललिता सिंह, गायत्री राठौर, करूणा सिंह, संध्या चंदेल गायत्री सिंह, रचना सिंह, अंजली सिंह, अनीमा सिंह, मंजू भदोरिया, अनीता सिंह, आशा ठाकुर, संध्या सिंह, निरिक्षा राठौर, कुसुम सिंह, प्रभा सिंह, शशीकला सिंह, सुधा राठौर सहित अन्य जन उपस्थित थे।

● छठ पूजा से पहले बाजारों में बढ़ी चहल-पहल, पूजा सामान लेने खरीदारी में जुटी महिलाएं

भात व सात्विक भोजन कर छठ पर्व की हुई शुरुआत, बांस की टोकरियां और सूपा, पीतल के बर्तन, गन्ने, गुड़ की बढ़ी मांग

भिलाई। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुवात शनिवार को नहाय खाय के रस्म के साथ हुई। लोक आस्था का महापर्व का पहला अर्घ्य सोमवार की शाम को ढलते सूर्य को दिया जाएगा। संतान के उत्तम स्वास्थ, सफलता और दीर्घायु के लिए 36 घंटे तक रखा जाने वाला निर्जला छठ व्रत महिला और पुरुष दोनों ही रखेंगे। जिसकी शुरुवात कार्तिक माह के चतुर्थी तिथि को पहले दिन नहाय खाय से की गई। आज दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते सूर्य और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद व्रत का पारण यानी समापन होगा। छठ महापर्व की शुरुवात पहले दिन नहाय खाय के साथ की गई। इस दिन श्रद्धालुओं ने स्नान कर सूरज देव को जल अर्पित कर चार दिवसीय शुद्धता के साथ व्रत करने का संकल्प लिया। इस दिन शुद्धता के साथ ठेकुवा बनाने के लिए गेहूं को धोकर चींटी, पक्षी आदि से बचाने दिनभर अनाज की देखरेख की। साथ ही घर पर चने की दाल, सहित चावल आदि प्रसाद के रूप में ग्रहण किया।

आज रहेंगे व्रत, शाम को रिसियाव का प्रसाद करेंगे ग्रहण

आज पंचमी तिथि को श्रद्धालु दिन भर उपवास रहकर शाम को खरना की परंपरा को निभाएंगे। जिसमें गुड़ से बनी खीर रिसियाव और रोटी या पूड़ी आदि का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। खरना की रस्म में लोग अपने घरों में रिसीयाव का प्रसाद ग्रहण करने लोगो को निमंत्रण भी देते है ताकि छठ माता का प्रसाद सभी ग्रहण कर सके।

सजाया गया शिवधाम सेक्टर-7 तालाब को

व्रतियों के लिए फलदायाक -पं विनोद चौबे

ज्योतिषाचार्य पं विनोद चौबे, ज्योतिष के अनुसार यह व्रत महिला व पुरुष कोई भी कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए कर सकते है। बस इस व्रत में छठव्रतियों के लिए शुध्दता जरुरी है। इस व्रत को करने से आत्मबली सूर्य ग्रह संतान को सुदीर्घता प्रदान करते है वहीं धन, ऐश्वर्य और वैभव के ग्रह शुक्र छठव्रतियों को समृद्धि और बुध सौभाग्य प्राप्त होता है। इस व्रत में ठेकुआ, पूड़ी, सोहारी के साथ ही जमीन के अंदर लगे कंद मूल जैसे शकरकंद, मूली, शलजम, अदरक व वृक्षों पर लगे फल नींबू, सीताफल, सेव, केला, अनार, नारियल एवं बांस की बहंगी तथा पीतल का सूप आदि का विशेष प्रयोग होता है।

बाजारों में बढ़ी रौनक

दीपावली के बाद एक बार फिर सभी छोटे-बड़े बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है लोग पूजा के खरीददारी लिए बाजार पहुंचकर आदि के सभी सामान पहले से खरीद रहे है ताकि पूजा के दिन कोई सामाग्री छूट न जाए। इस व्रत में नए वस्त्र धारण का विशेष महत्व है इसलिए महिलाएं अपने लिए साड़ी व पुरुष छोती व गमछा खरीदते हुए दिखाई दिये।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर ट्विनसिटी के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। जैसे-जैसे सूर्य उपासना के इस पर्व की तिथि नजदीक आ रही है वैसे-वैसे बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। बाजार में दउरा सुपली, डगरा, छइंटा और कोसी की दुकाने सज चुकी हैं। छठ व्रती करने वाले इन दुकानों पर पूजा सामग्री की खरीदारी में व्यस्त है, खासकर महिलाओं और व्रतियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। छठ पूजा में उपयोग होने वाली पारंपरिक सामग्रियों की मांग इस बार काफी बढ़ी है। शहर में उत्तर भारतीय समाज के लोग महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं।

लौकी-भात खाकर की शुरुआत

दीपावली के बाद ट्विनसिटी में छठ पूजाके बाजार सज गए है। पावर हाउस सुपेला बाजार में छठ व्रत रखने वाले लोग पूजन सामग्रियों की खरीदारी करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे है। बाजार में छठ पूजा की उपयोगी सामग्री जैसे सूप, दउरा और टोकरी की बिक्री शुरू हो गई है। छठ पूजा के लिए आवश्यक सामग्री में बांस की टोकरियां और सूप, पीतल का लोटा या तांबे का कलश, दीपक, अगरबत्ती, सिंदूर, कुमकुम और धूप जैसे पूजा के सामान शामिल हैं। इसके अलावा प्रसाद के लिए फल (केला, गन्ना, शरीफा) शकरकंद, सुथनी, गुड़, ठेकुआ और मौसमी फल जैसी चीजों की बाजार में खूब मांग है।

सूप और दउरा की बिक्री जोरों पर

इन दिनों बाजारों में छठ से जुड़ी सामग्रियों की बिक्री जोरों पर है। सूप और दउरा इस पर्व में अहम माना जाता है। इस बार सूप की कीमत 100 से लेकर 150 रुपए तक और दउरा की कीमत 400 से 600 रुपए है। पावर हाउस बाजार में सूप, दउरा और टोकरी बेच रहीं निर्मला बताती है कि वह परंपरागत रूप से बास शिल्प कारीगरी का काम करती आ रही हैं। हमारे पास से लोग घर, खेती-किसानी, शादी ब्याह और छठ पर्व के लिए सूप टोकरी खरीदते हैं। छठ पर्व के लिए लोग बड़ी संख्या में सूप, दउरा और टोकरी खरीद रहे हैं।

जरुतमंदों के बीच बांटी दीपावली की खुशियां

भिलाई। जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के युवाओं द्वारा दीपावली की खुशियां बिखेरने उन्हें मिठाई, पटाखे और दीये सहित अन्य जरुरत के सामन वितरित किये गए। संस्था द्वरा दुर्ग की निचली बस्तियों में जाकर

पिछले एक सप्ताह से विभिन्न आश्रम में जाकर वृद्ध जनों और बच्चों को दीपावली के मौके पर नए कपड़े, पटाखे, मिठाई नमकीन बिस्किट चॉकलेट एवं अन्य सामग्री बांटी गई। इस दौरान 650 से ज्यादा बच्चों के चेहरे पर मुस्कान दिखाई दी। संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि पिछले आठ साल से गरीब बच्चों साथ खुशियों की दीपावली मनाने वाली संस्था के सदस्यों ने इस बार साढ़े छ सौ से ज्यादा बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी है। सदस्यों ने न सिर्फ पूरा दिन उनके साथ बिताया, बल्कि बच्चों को उनकी जरूरतों की चीजें देने के साथ ही उनकी पसंद का नाश्ता भी कराया। कार्यक्रम में इन बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों में हनुमान चालीसा, गौरा-गोरी गीत, सुवा गीत की प्रस्तुति दी।बंटी शर्मा ने बताया कि इस वर्ष सभी के सहयोग से 400 बुजुर्ग पुरुष एवं महिलाओं को नए कपड़े और दिवाली की मिठाई एवं नमकीन देने की योजना बनाई और दीपावली पर्व कमजोर बच्चों और परिवार में खुशियां फैलाई गई। इस दौरान प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में जाकर बच्चे, बुजुर्गों, महिलाओं को दीपावली पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए नये कपड़े, मिठाई, नमकीन, फटाखे, साबुन, निरमा व जरूरत की सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में बंटी शर्मा के साथ पायल जैन, मनीष साहू, प्रतिभा सुरेश गुप्ता, आशीष मेश्राम, प्रीति राजगढ़िया, अर्जित शुक्ला, किरण मनीष सेन, सुमन, रूपल गुप्ता, लक्की अग्रवाल आदि मौजूद थे।

गौमाता को खिचड़ी खिलाकर की पूजा-अर्चना

दुर्ग। गहिरा गुरु धाम यादव सांस्कृतिक भवन दीपक नगर में यादवों ने गौ माता को खिचड़ी खिलाकर, पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार प्रमुख रूप से शामिल हुईं। इस अवसर पर गोवर्धन धारी भगवान श्रीकृष्ण की आदम कद प्रतिमा की पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ में निवासरत लगभग 3 करोड़ जनता की सुख-समृद्धि की कामना की गई। यादव संघ मित्र कल्याण मंडल अध्यक्ष कमलेश यादव ने यादव सांस्कृतिक भवन में महिला व पुरुष शौचालय सहित शुद्ध पेयजल व्यवस्था के लिए 5 लाख रुपए की मांग की, जिसे महापौर ने स्वीकृति प्रदान की। समाज ने अहीर पगड़ी, खुरमी, तेंदुसार फुलैता व जय श्री कृष्ण पितांबरी गमछा पहना कर महापौर को सम्मानित किया। कार्यक्रम में गहिरा गुरु राजेश यादव, हर्ष हिंद यादव, उमराव यादव, ललित यादव, ब्रह्मदत्त यादव, बृजेश कुमार यादव, पार्षद मनोज सोनी, चंद्रशेखर चंद्राकार, पूर्व पार्षद मीना सिंह जी, विजय जलकारे सहित अन्य मौजूद थे।

कार्नर न्यूज

स्कंदाश्रम में देव आह्वान के साथ लोक मंगल की कामना

गौ पूजन कर स्कंध षष्ठी महोत्सव शुरू, मंत्रोच्चार कर दी आहूति, आज स्वयंवर पार्वती हवन

भिलाई। स्कंदाश्रम हुडको में शनिवार को आध्यात्मिक माहौल में तीन दिवसीय स्कंद षष्ठी महोत्सव की शुरुवात विधि विधान से की गई। जन कल्याण के उद्देश्य से सोमवार तक आयोजित महोत्सव का प्रारंभ भक्ति और आस्था के वातावरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में हुआ।

स्कंद षष्ठी महोत्सव के आयोजन का यह 28वां वर्ष होने के कारण श्रद्धालुओं के आस्था का उल्लास दिखाई दिया। श्री रामनादा गुरुक्कल एंव टीम के साथ तमिलनाडू के आमंत्रित वेदाचार्यो के नेतृत्व में 14 पंडितों द्वारा यह यज्ञानुष्ठान विधिविधान से संपन्न कराया जा रहा है।

नवग्रह पूजन के बाद नक्षत्र हवन

स्कंद षष्ठी महोत्सव का प्रारंभ गौपूजा से हुआ। पंडाल के यज्ञ मंडप में पंडितों द्वारा महासंकल्प के बाद गणपति हवन कराया गया। मंत्रोच्चार के साथ देवों के आह्वान के बीच समूचा यज्ञोत्सव मंडप ओम और जय कार्तिकेय की मंगल ध्वनि से गंजू उठा। नवग्रह पूजन के बाद नक्षत्र हवन हुआ। इसके बाद लक्ष्मी हवन हुआ। महाआहुति हवन में पंडितों और आश्रम के स्वामियों की समिधा के साथ लोकमंगल की कामना की गई ।स्कंद आश्रम की महासचिव गुरु दीदी ने तीन दिवसीय अनुष्ठान को सर्व मंगलमय बताते हुए कहा कि भगवान कार्तिकेय शहर में शांति और प्रेम के साथ सभी के मनोरथ पूर्ण करेंगे। रविवार और सोमवार को भी मनोकामनाओं के लिए हवन होंगे। इस पावन अवसर पर आश्रम के संस्थापक मणि स्वामी का भी श्रद्धालुओं ने स्मरण किया। मंदिरनुमा पंडाल में भगवान गणेश के धातु प्रतिमा की शरण में स्व, मणिस्वामी का चित्र में रखा गया था।

सर्व मनोकामना के लिए विशेष हवन

शाम को बच्चों के पढ़ाई, उच्च अध्ययन, औद्योगिक प्रगति एवं प्रतिस्पर्धा में सफलता के लिए श्री सुदर्शन हवन, विद्या, बुद्धि एवं विवेक वृद्धि के लिए श्री दक्षिणामूर्ति हवन, साढ़े 8 बजे दृष्टिदोष एवं भय निवारण के लिए दीर्घायु दृष्टि दुर्गा हवन और रात साढ़े 9 बजे से प्रथम दिन की अंतिम पूर्णाहूति, दीप आराधना हुई। दक्षिण भारत से पधारे पंडितों द्वारा वेद मंत्रों के साथ आहुतियां डलवाईं। एक घंटे के पारायण के बाद पूर्णाहुति के साथ प्रथम दिन का अनुष्ठान संपन्न हुआ।

सिटी इवेंट

नशा मुक्त रहने ऑपरेशन विश्वास में मेडिटेशन कर खिलाए गेम्स

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध आपरेशन विश्वास के तहत वैलनेस शिविर का आयोजन नेवई भाटा सामुदायिक भवन में किया जा रहा है। जिसमें नेवई क्षेत्र से 35 बच्चों के साथ प्रथम बैच में नशा मुक्ति वैलनेस शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों को आर्ट ऑफ़ लिविंग के द्वारा योग, ध्यान, मेडिटेशन के बारे में सिखाया गया और बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे जानकारी दी गई। दुर्ग पुलिस द्वारा आयोजित युवाओं को नशा मुक्त रखने अभियान विश्वास के अंतर्गत आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सुदर्शन क्रिया सहित विभिन्न खेल सहित मेडिटेशन कराया जा रहा है। यह अभियान 24 से 30 अक्टूबर तक नेवई थाना क्षेत्र में सामुदायिक भवन में चलाया जा रहा है। नशा मुक्ति वैलनेस शिविर में दुर्ग पुलिस एवं आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से आयोजित शिविर में 35 बच्चों के द्वारा भागीदारी दिखाई गई। जिसमें आर्ट ऑफ लिविंग से उपस्थित अमन बेलचंदन और उनके सहयोगी के द्वारा उपस्थित बच्चों को योग ध्यान एवं आपस में बच्चों को खेल भी खिलाया गया। बच्चों द्वारा बहुत ही उत्साह के साथ इसमें भागीदारी दी, जिसे खेलकर बच्चे बहुत ही खुश नजर आए। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल दुर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर शहर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पदमश्री तंवर आईयूसीएडब्ल्यू, उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम, आई यू सी ए डब्लू थाना प्रभारी नेवई एवं रक्षा टीम प्रभारी उप निरीक्षक संगीता मिश्रा सहित रक्षा टीम उपस्थित रही।

धर्म लाइव

बीएसपी के रिटायर कर्मियों ने अनुभव किये साझा, चेक देकर दी विदाई

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने समारोह का आयोजन कर माह सितंबर में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने सम्मान के लिए आभार जताते हुए सोसाइटी से अपने लगाव को लेकर उद्गार व्यक्त किए।

इस दौरान शिवकुमार वर्मा, गेंद लाल ठाकुर, दलजीत सिंह थिंड, जयंत मुसले, राज नैयर ने अपने अनुभव साझा किये। इसी तरह अन्य रिटायर कर्मियों में शरद चंद्र पात्रो, भूषण प्रसाद, राम अवध, नारद वर्मा, ब्लास्ट फर्नेस से वरिंदर कुमार गोविंद, जनरल एस्टेब्लिशमेंट से अभिजीत मुखर्जी, मेडिकल से रीता सी बेहरा, प्रहलाद, विजय कुमार नागपुरे, सिंटर प्लांट-2 से दौलत राम भौर्या, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से राजेंद्र कुमार कौशिक, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से बृजेश चौधरी, भारत राम, मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शॉप-1 से कोमल सिंह, मटेरियल रिकवरी विभाग से राम प्रसाद और कैपिटल हैवी मेंटेनेंस-3 से हरिराम व अन्य ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इन रिटायर कर्मियों का कहना था कि आगे भी उनकी सदस्यता बरकरार रखी जाए।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष असमां परवीन, अशोक राठौर, संचालक मंडल सदस्य विपिन बन्छोर, जानकी राव, सतानंद चंद्राकर, पुरुषोत्तम कंवर, वेद प्रकाश सूर्यवंशी और नितिशा साहू तथा सोसायटी के कर्मियों में मैनेजर सुदीप बनर्जी, पिजुष कर, नारायण साहू, सुरेश कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। मंच संचालन संचालक शशि भूषण सिंह ठाकुर और आभार प्रदर्शन संचालक पुरुषोत्तम सिंह कंवर ने किया।

● पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पंडवानी हमारी धरोहर, यह एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में मिली पहचान

भिलाई। पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया के हर कोने में हमारे पंडवानी कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया है। न्यूयार्क से लेकर पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी गायन को लोगों ने सुना और सराहा है। छग का सौभाग्य है कि हमारी धरती पर तीजन बाई जैसी कलाकार हुई हैं जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों ही सम्मान प्राप्त हुए हैं। जब तंबूरा लेकर वे आलाप भरती हैं तो आकाश के देवी-देवता भी उन्हें जरूर सुनते होंगे। श्याम बेनेगल की भारत एक खोज में तीजन बाई के पंडवानी गायन के दृश्य अपार आनंद और उत्सुकता से भर देते हैं। पंडवानी हमारी धरोहर है। छग के पारंपरिक पांडवानी गायन के संदर्भ में यह बातें छग के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। साथ ही उप मुख्यमंत्री अरुण साव, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, राज्य तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री रमशीला साहू एवं जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभ चंद बाफना, डॉ. दयाराम साहू, दुर्ग पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, दुर्ग महापौर अलका बाघमार उपस्थित थे।

पंडवानी गायन महिलाओं का ही क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि हम लोगों ने बचपन से रामलीला मंडलियों के माध्यम से रामायण की कहानियां सुनी और पंडवानी के माध्यम से महाभारत की कहानियां सुनी। पीढ़ी दर पीढ़ी रामायण और महाभारत की कहानियां इन्हीं लोककलाकारों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचती रही है। उन्होंने कहा कि पंडवानी गायन इस मायने में भी खास है कि इसमें महिला और पुरुष का भेद नहीं है अपितु तीजन बाई, डॉ. उषा बारले जैसे कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से ऐसा महसूस कराया है कि पंडवानी गायन महिलाओं का ही क्षेत्र है।

पुरोधाओं को किया याद

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पद्मश्री डॉ. उषा बारले अपने पंडवानी गायन के माध्यम से आप सभी का मनोरंजन किया होगा। उन्होंने पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाड़ूराम देवांगन को याद करते हुए कहा कि हाथ में तंबूरा लेकर जब वे अपनी रोचक प्रस्तुति देते थे तो दर्शक मंत्र मुग्ध हो जाते थे। पंडवानी गायन में छग के महिला कलाकारों को भी विशेष सफलता मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्व लक्ष्मी बंजारे को स्मरण करते हुए कहा कि पद्म पुरस्कार देश की विभूतियों को प्राप्त होते हैं। यह आज पंडवानी महासम्मेलन के कार्यक्रम का आयोजन कर आप लोगों ने इस धरोहर को सहेजने और आने वाली पीढ़ी तक इसे बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है।

फिल्म सिटी की स्थापना का लिया निर्णय

उन्होंने कहा कि सरगुजा से लेकर बस्तर तक हर जगह की अपनी विशिष्ट संस्कृति है। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ी लोककला-संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने कलाकारों की पेंशन राशि में वृद्धि की है साथ ही कलाकारों को दिये जाने वाले अवसरों की संख्या भी बढ़ाई है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना का निर्णय लेकर हमने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को मजबूत करने का जतन किया है। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को प्रदेश की रजत जयंती मनाई जाएगी। यह राज्योत्सव हमारी लोकसंस्कृति का उत्सव होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन भी होगा। उन्होंने कलाकारों को भरोसा दिलाया कि उनके सभी मांगों पर सरकार विचार कर आवश्यक पहल करेगी।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, आईजी आर.जी. गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एस.एस.पी. विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, पंडवानी के लोक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

उन्नत अनुसंधान कौशल और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोणों से सशक्त बनाने दिए गए टिप्स

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (हाईब्रिड) विषय पर रिसर्च मेथड्स एण्ड इनोवेटिव प्रैक्टिसेस इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ एनईपी 2020 का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के संदर्भ में 'अनुसंधान पद्धतियां और नवाचारपूर्ण अभ्यास' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एक महत्वपूर्ण और समयोचित पहल है। इसका उद्देश्य संकाय सदस्य, शोधकर्ता और छात्रों को उन्नत अनुसंधान कौशल और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोणों से सशक्त बनाना है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हो। अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की संयोजिका प्रो. रेशमा लाकेश के अनुसार भारतीय शिक्षा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक है, जो समग्र, बहुविधि शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। यह कार्यशाला पारंपरिक अनुसंधान विधियों को नवाचारपूर्ण, प्रौद्योगिकी–आधारित उपकरणों और अंतर्विषयक दृष्टिकोणों से जोड़ती है। यह प्रतिभागियों को नवीन अनुसंधान डिज़ाइनों, डेटा विश्लेषण तकनीकों और सहयोगात्मक पद्धतियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो जटिल वास्तविक समस्याओं को प्रभावी रूप से हल कर सकें।प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि एनईपी 2020 के सिद्धांतों को एकीकृत करके, यह कार्यशाला उत्सुकता और अकादमिक कठोरता का वातावरण प्रदान करती है, जिससे प्रतिभागी ज्ञान निर्माण, नीति निर्माण और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार होते हैं। यह कार्यशाला अनुसंधान को अधिक सुलभ, प्रासंगिक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से है, जो तेजी से विकसित हो रहे शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। ये कार्यशाला केवल अनुसंधान तकनीकों को सीखने के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक नवाचारी मानसिकता को विकसित करने के बारे में है, जो भारत में शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य को दिशा देगी। कार्यशला में 265 निःशुल्क रजिस्ट्रेशन हुए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं महाविद्यालयीन प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यशाला के विशेष आकर्षण रहे दुबई के सब्या सांची बेहरा हेड एचआर कॉन्सेप्ट लैण्डमार्क ग्रुप दुबई, ईरीना श्रीवास्तव, सी.ई.ओ. इंटिरियर डिजाईन एण्ड डेकोर मॉस्को मिन्स्क दुबई एवं डॉ. ऊषाकिरण अग्रवाल, प्राचार्य, शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय धमधा दुर्ग। उल्लेखनीय है कि उक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के सफल आयोजन में लक्ष्य फाउंडेशन एवं एलुमनी एसोसिएशन का विशेष सहयोग रहा।

200 से ज्यादा ग्रामीणों का जत्था सीहोर रवाना

धनोरा के ग्रामीणों ने पं. प्रदीप मिश्रा की कथा सुनी ऑनलाइन

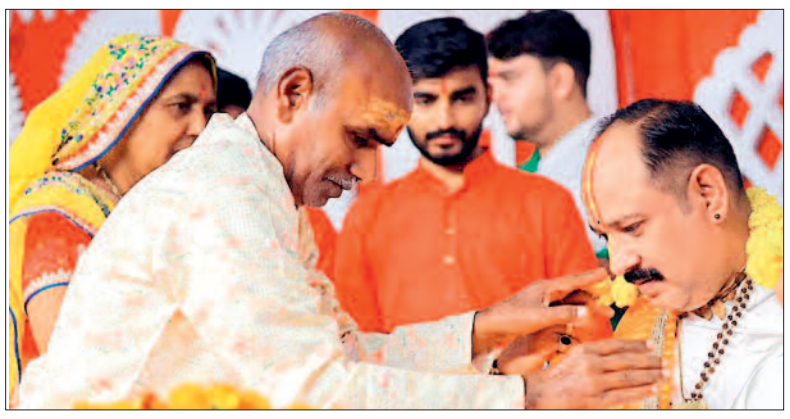

दुर्ग। ग्राम धनोरा के ग्रामीणों में पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा को लेकर अनोखी आस्था प्रदर्शित की है। गांव के दामोदर प्रसाद साहू के नेतृत्व में 200 भक्तों का जत्था सीहोर पहुंचा है। इधर गांव में भी ऑनलाइन कथा के इंतजाम किए गए हैं। नियमित रूप से एलईडी के माध्यम से पं. प्रदीप मिश्रा कथा बाचते नजर आ रहे हैं। इसे लेकर गांववालों में खासा उत्साह है। शनिवार से ही कथा प्रारंभ हुई है, जो 29 अक्टूबर तक चलेगी। लगातार बारिश के चलते प्रस्तावित कथा स्थल की जमीन गीली होने के कारण यहां पंडाल लगाना संभव नहीं था। इसे देखते हुए कथा के ऑनलाइन प्रसारण का निर्णय लिया गया। दामोदर प्रसाद साहू ने धनोरा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक पं.प्रदीप मिश्रा की कथा रखी थी। लेकिन जमीन गीली होने के कारण कथा को आनलाइन कराने का निर्णय लेना पड़ा। यह कथा पं.प्रदीप मिश्रा सीहोर से ही सुनाएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक चलेगी। 26 अक्टूबर से नियमित रूप से दोपहर 2 बजे से 5 बजे कथा होगी। दामोदर प्रसाद साहू, ओमप्रकाश साहू, रविकांत साहू, उमेद साहू आदि के नेतृत्व में तीन बसों में करीब 200 श्रद्धालुओं का जत्था सीहोर पहुंचा है। धनोरा में ही जानकी मंगलम भवन में एक बड़ी स्क्रीन लगाकर आनलाइन कथा सुनाने की व्यवस्था भी की गई है।

दक्षिण भारतीय महिलाओं ने धार्मिक सद्भाव और विधि-विधान से मनाया नागुला चविति

नागुला चविति- नाग देवता की पूजा कर महिलाओं ने की सुख, समृद्धि की कामना

कार्नर न्यूज

भिलाई। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को दक्षिण भारतीय महिलाओं ने नागुला चविति धार्मिक सद्भाव और विधि-विधान से मनाया। तेलगू समाज द्वारा शनिवार को व्रती महिलाओं ने सुबह पवित्र स्नान के बाद अपने घर के पास और मंदिर प्रांगण में बांबियों के आसपास के स्थल की साफ-सफाई की और उसके बाद नाग देवता की विधि-विधान से पूजा कर अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना की।

बच्चों और परिवार के समृद्धि की कामना

शांति नगर निवासी टी उमा राजू ने बताया कि इस अवसर पर परिवार की महिलाएं नाग देवता को चढ़ावे के रूप में गाय का दूध, अंडे, तिल्ली और चावल के आटे से बने लड्डू, भिगोई हुई मूंग दाल, नारियल, पान पत्ते, सुपारी, हल्दी, कुमकुम तथा फल अर्पित करते हैं, जिसमें परिवार के बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग भी शामिल होकर पूजा करते है।

पितृ दोष व राहू के प्रतिकूल प्रभाव से मिलती है मुक्ति

पुरैना निवासी केएल कुमारी व अन्य महिलाओं का मानना है कि वे जीवित सांपों को नाग देवता के प्रतिनिधि के रूप में पूजती हैं, जिससे पितृ दोष और राहू के प्रतिकूल प्रभाव से मुक्ति मिलती है, साथ ही संतानों और परिवार का कल्याण भी होता है। नागुला चविति में टाउनशिप विभिन्न स्थानों पर बांबियों में व्रती महिलाओं ने पूजा की। सेक्टर-7, हुडको, खुर्सीपार सहित अन्य स्थानों पर भी व्रती महिलाओं ने विधि-विधान से नागदेव की पूजा अर्चना की।

सिटी स्पोर्ट्स

बहरीन में बस्तर के युवराज को मिला सातवां स्थान

रायपुर। कॉउंसिल ऑफ एशिया की ओर से बहरीन (यूएई) में आयोजित एशियन यूथ गेम्स में भारतीय म्यू थाई दल भी भाग ले रहा है। म्यूथाई के मिक्स माई म्यू टीम इवेन्ट में जगदलपुर (बस्तर) के युवराज सिंह 45 देशों के खिलाड़ियों के बीच सातवां स्थान प्राप्त कर भारत और छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आईओसी) से मान्यता प्राप्त संस्था आईएफएमए एवं ओलंपिक कॉउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) से मान्यता प्राप्त संस्था एफएएमए की भारत मे मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के तत्वावधान में यह प्रतियोगिता हो रही है। यह जानकारी देते हुए राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ खेल जगत की ऐतिहासिक उपलब्धि है कि युवराज सिंह राजपूत ने 45 देशों के मध्य हुए ₹मिक्स माई म्यू₹ टीम इवेन्ट में अपनी राजस्थान की पार्टनर खिलाड़ी हर्षिता के साथ सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और अंकों के आधार पर प्रथम सात खिलाड़ियों में अपना गौरवशाली स्थान बनाया। यद्यपि युवराज और हर्षिता फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए परन्तु 45 देशों के बीच 7वी रैंक पाना भी अपने आप मे एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उक्त स्पर्धा में फिलीपीन्स, यू ए ई, मलेशिया औऱ इराक़ के मिक्स खिलाड़ी अंकों के आधार पर फाइनल के लिए क्वालीफाई किये है जिनमे पदकों का निर्धारण होगा। उन्होंने आगे बताया कि यह भी अत्यंत हर्ष एवँ गौरव का विषय है कि दूरस्थ बस्तर अंचल से गत नौ वर्षों से म्यू थाई राष्ट्रीय चैंपियन एवँ चार बार के अंतरराष्ट्रीय म्यू थाई पदक विजेता खिलाड़ी जगदलपुर निवासी 17 वर्षीय युवराज सिंह राजपूत एशियन यूथ गेम्स के लिए राज्य से एकमात्र चयनित खिलाड़ी है। एशियन यूथ गेम्स में भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों का व्यय भारत सरकार द्वारा किया गया है।

सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब से दो खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

भिलाई। सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब से दो खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। कोच, नेशनल रैफरी व जज कुलदीप सोनकर ने बताया कि राज्य स्तरीय स्कूल स्तर की फाइनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता रायपुर में 16 सितम्बर से 18 सितम्बर तक हुई थी। इस प्रतियोगिता में सेक्टर-1 क्लब से रिया, आत्मज कमलेश ने 14-17 ग्रुप में 42 से 46 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सुदेश खोब्रागढ़े, आत्मज संतोष दुर्गा ने 16-17 ग्रुप में 46-48 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। उपरोक्त दोनों छात्रों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हो गया हैं, वे खेलो इंडिया इनडोर स्टेडियम, ईंटागढ़, अरुणाचल प्रदेश में 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर दुर्ग के सांसद एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल, ओलम्पिक संघ के कोषाध्यक्ष साही राम जाखड, छत्तीसगढ़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष आर. राजेंद्रन एवं समस्त पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को विजय प्राप्त करने हेतु आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी हैं।

रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ ने मुंबई को दिए शुरूआती झटके

रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी में ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा मैच (25 से 28 अक्टूबर) बी.के.सी. क्रिकेट ग्राउंड, मुंबई में मुंबई टीम के विरुद्ध खेला गया। पहले दिन छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 84 ओवरों में 5 विकेट खोकर 251 रन बना लिये हैं। मुंबई की शुरुवात अच्छी नहीं रही, दोनों ही प्रारंभिक बल्लेबाज जल्दी आउट हो गये। अजिंक्या रहाणे तथा सिद्धेश लाड ने पारी को संभाला तथा 3 विकेट जल्दी गिरने के बाद संभल के बल्लेबाजी की. रहाणे ने शानदार शतक लगाते हुये नाबाद 118 रन बनाये। सिद्धेश लाड ने भी 80 रनों की उपयोगी पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण तथा आदित्य सरवटे ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।अजय मंडल को 1 विकेट प्राप्त हुआ. पहले दिन की समाप्ति तक मुंबई ने 5 विकेट के नुकसान पर 251 रन बना लिये हैं।

स्मार्टफोन और कंप्यूटर के बढ़े हुए इस्तेमाल से आंखों की समस्या ले रही घातक रूप

युवाओं की बदलती रूटीन लाइफ से बढ़ रही आंखों में सूखेपन की समस्या, रखें अपना ध्यान

हाल के वर्षों में स्मार्टफोन और कंप्यूटर के बढ़े हुए इस्तेमाल के कारण लोगों में आंखों से संबंधित कई प्रकार की गंभीर समस्याओं का निदान किया जा रहा है। आंखों का सूखापन (ड्राई आइज) ऐसी ही एक समस्या है, जिसके युवा आयु वर्ग के लोग ज्यादा शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक एक-दो दशक पहले तक ड्राई आइज की समस्या को उम्र के साथ होने वाली परेशानी मानी जाती थी हालांकि आंखों के लिए नुकसानदायक कई चीजों के बढ़े हुए चलन के कारण अब बहुत ही कम उम्र के बच्चे भी इस समस्या से ग्रसित पाए जा रहे हैं।

आंखों का सूखापन (ड्राई आइज) ऐसी स्थिति है जिसमें आंसू से आंखों को पर्याप्त मात्रा में मॉस्चराइज प्राप्त नहीं हो पाता है। आंखों में पर्याप्त मात्रा में आंसू का उत्पादन न होने या खराब गुणवत्ता वाले आंसू के कारण इसका खतरा बढ़ जाता है। ड्राई आइज के कारण असहजता महसूस होती है और आंखों में चुभन और जलन की दिक्कत बनी रहती है। आंसू, हमारी आंखों की सतह को संक्रमण से भी बचाते हैं। पर्याप्त आंसू के अभाव में आंखों के संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में इस गंभीर समस्या के बारे में विस्तार से जानते हैं।

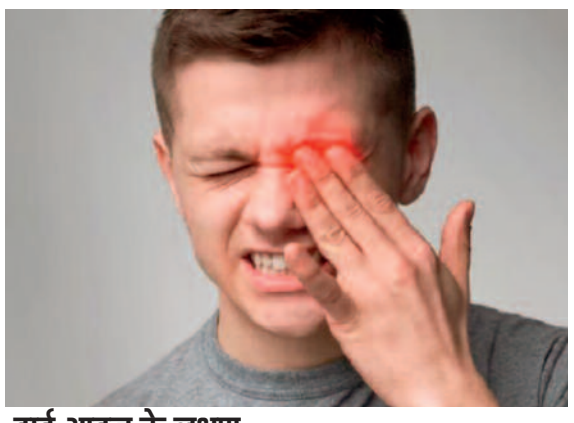

ड्राई आइज के लक्षण

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. डीएम भावनानी बताते हैं जिस तरह से लाइफ स्टाइल से संबंधित समस्याओं के कारण आंखों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में सभी उम्र के लोगों को वर्ष में कम से कम एक बार आंखों की जांच जरूर करानी चाहिए। ड्राई आइज की समस्या युवाओं में काफी सामान्य होती जा रही है, इस समस्या में कई तरह के लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जिसका समय पर पहचान कर इलाज आवश्यक होता है। इनमें आंखों में चुभन, जलन या खरोंच का एहसास होना। प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता। आंखों का अक्सर लाल रहना। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने में कठिनाई। रात के समय ड्राइविंग करने में कठिनाई। आंखों से पानी आना, यह जलन के कारण होने वाली प्रतिक्रिया है और धुंधला दिखाई देना शामिल हैं।

आंखों में सूखापन की समस्या क्यों होती है?

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. डीएम भावनानी बताते हैं, आंसू के उत्पादन को प्रभावित करने वाली कई तरह की समस्याओं के कारण ड्राई आइज की दिक्कत हो सकती है। आंसू के फिल्म की तीन परतें होती हैं: फैटी ऑयल, जलीय द्रव और म्यूकस। यह संयोजन आम तौर पर आपकी आंखों की सतह को चिकना और साफ रखने में सहायक होती है। इनमें से किसी भी परत की समस्या के कारण आंखों में सूखापन

हो सकती है।

आंसू का उत्पादन कई स्थितियों में प्रभावित हो सकता है। उम्र के साथ यह समस्या सामान्य मानी जाती रही है। इसके अलावा कॉन्टैक्ट लेंस के उपयोग, तंत्रिका संबंधी समस्या या लेजर आई सर्जरी का बाद यह समस्या बढ़ सकती है। धूम्रपान करने या स्मार्टफोन और कंप्यूटर के ज्यादा इस्तेमाल के कारण भी यह समस्या बढ़ गई है।

ड्राई आइज को कैसे ठीक किया जाता है?

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. डीएम भावनानी बताते हैं, ड्राई आइज की समस्या के निदान के लिए आंखों और आंसू का परीक्षण किया जाता है। यदि स्थिति सामान्य है तो कुछ आईड्रॉप्स और दवाइयों से इसके लक्षणों को कम किया जाता है। रोगी को कुछ बातों के विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है जैसे- धूल और प्रदूषण से बचाव, बहुत अधिक फोन का इस्तेमाल न करना और आंखों के लिए कुछ व्यायाम आदि। ड्राई आइज को ठीक करने के लिए स्वस्थ लाइफ-स्टाइल और पौष्टिक खान-पान बहुत आवश्यक होता है।

कुकर से बार-बार निकलता है पानी तो जरूरी हैक्स आएंगे काम

प्रेशर कुकर कई सारी रेसिपीज बनाने के काम आता है। एक वक्त के बाद, प्रेशर कुकर भी खराब होने लगता है। कभी इसमें सीटी की समस्या हो जाती है और कभी गास्केट ढीला हो जाता है। प्रेशर कुकर से पानी निकलना भी आम है, लेकिन इस परेशानी का हल हम आपको बताने वाले हैं।

प्रेशर कुकर तो हर घर में होता है। यह एक ऐसा एसेंशियल बर्तन है जिसके बिना कई सारे काम नहीं हो सकते हैं। दाल, करी, चावल, आदि चीजों को झटपट बनाने के लिए इसका ही उपयोग किया जाता है। हालांकि, एक वक्त के बाद, प्रेशर कुकर में कई सारी समस्याएं होनी लगती हैं।

कभी कुकर की सीटी खराब हो जाती है। कभी उसका गास्केट ढीला होने लगता है। कभी सही से प्रेशर नहीं बनता है और कभी तो पानी उससे निकलने लगता है। इससे न केवल खाना पकाने में देरी होती है, बल्कि रसोई में गंदगी भी हो सकती है। इसी समस्या का समाधान लेकर हम हाजिर हैं। हमारे देसी जुगाड़ और अनोखे हैक्स आपके प्रेशर कुकर को लीक होने से रोक सकते हैं और आपके काम को आसान बना सकते हैं।

ढक्कन को सील करने के लिए आटे का इस्तेमाल करें

प्रेशर कुकर लीकेज को रोकने के लिए सबसे सरल और सबसे प्रभावी देसी तरकीबों में से एक है आटे को सीलेंट के रूप में इस्तेमाल करना। आटे की एक पतली पट्टी बेलें और ढक्कन को बंद करने से पहले कुकर के किनारे पर रखें। यह एक टाइट सील बनाएगा है, जिससे भाप बाहर नहीं निकल पाती। अगर गैसकेट डैमेज है और आपके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है, तो यह एक बेहतरीन अस्थायी उपाय है। आटा एक लचीली सील की तरह काम करता है, जो लीक का कारण बनने वाले किसी भी गैप को भर देता है।

कार्तिक मास में तुलसी पूजन और स्नान का महत्व जानिए

कार्तिक मास हिंदू धर्म में एक बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण महीना माना जाता है। इसे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित महीना माना जाता है। कार्तिक मास में स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस महीने में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कार्तिक स्नान को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान स्नान को लेकर ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। वहीं अगर आप नियमित रूप से कार्तिक स्नान करने से मोक्ष, रोगों से मुक्ति, मन शांत और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

तुलसी पूजन विधि और नियम

तुलसी को हिंदू धर्म में पवित्र पौधा माना जाता है। कार्तिक मास में तुलसी की पूजा का विशेष महत्व है। कार्तिक मास में रोजाना सुबह उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान करें। इसके बाद साफ वस्त्र धारण कर एक लोटे में स्वच्छ जल भर लें। साथ ही तुलसी पूजा के लिए दीपक, अगरबत्ती, फूल, रोली, चंदन आदि चीजों को एक थाली में रखें। इसके बाद तुलसी के पौधे की जड़ में धीरे-धीरे अर्पित करें। इसके साथ ही तुलसी के गमले में स्वास्तिक का चिन्ह बना लें।

कार्तिक मास में दान करने का महत्व

कार्तिक मास हिंदू धर्म में एक बेहद पवित्र महीना माना जाता है। इस महीने में स्नान और दान को एक साथ करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि स्नान करके शरीर को शुद्ध किया जाता है और दान करके मन को शुद्ध किया जाता है। दोनों को एक साथ करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। स्नान करने के बाद अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान किया जा सकता है। कार्तिक महीने में किया गया स्नान, दान और तुलसी पूजा कभी न खत्म होने वाला पुण्य देते हैं।

घर की इन दिशाओं में वास्तुदोष कर सकता है आपकी सेहत खराब

घर में वास्तुदोष होने पर जीवन में अस्थिरता आ जाती है। आमदनी कम हो जाती है। जबकि, खर्च बढ़ जाता है। साथ ही अकस्मात विपत्ति घर में दस्तक देती है। इसके अलावा, दोष लगने पर घर के सदस्य कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। हर कोई चाहता है कि उसका घर ऐसा हो, जिसमें वह अपने परिवार के साथ सुख पूर्वक रह सके। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर हमें न केवल रहने का स्थान प्रदान करता है, बल्कि उसके भीतर या उसके आस-पास की ऊर्जा भी हमारे जीवन को प्रभावित करती है, इसलिए अच्छी सेहत और सुख-समृद्धि के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि घर में पंचतत्वों का संतुलन हो यानि घर वास्तु सम्मत हो। वहीं, वास्तुदोष लगने पर जीवन में अस्थिरता आ जाती है। आमदनी कम हो जाती है। जबकि, खर्च बढ़ जाता है। साथ ही अकस्मात विपत्ति घर में दस्तक देती है। इसके अलावा, दोष लगने पर घर के सदस्य कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं।

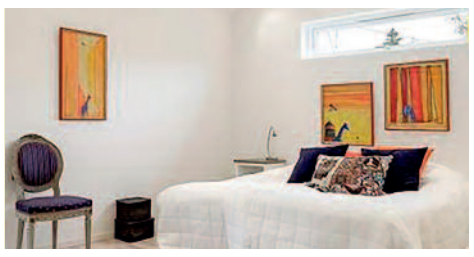

ईशान कोण

इस दिशा में वास्तुदोष होने पर घर के पुरुष वर्ग को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक समस्याएं होती है। भूखंड या भवन के ईशान कोण में शयन व्यवस्था करने से अनिंद्रा, दुःस्वप्न, स्मृति भंग, मस्तिष्क विकार, रक्तचाप आदि प्रायः घेरे रहते है। दंपति को तो भूलकर भी इस स्थान पर नही सोना चाहिए। ईशान कोण में रसोईघर का होना अनेकानेक तनाव और व्याधियों का कारण होता है। ईशान कोण की रसोई घर में बरकत नहीं होने देती है तथा घर के लोगों को पेट और वायु रोगों से पीड़ति करती है। अन्य दोष ईशानकोण में होने से रक्त विकार, स्त्रियां को यौन रोग और प्रजनन क्षमता भी दुष्प्रभावित हो सकती है।

दक्षिण दिशा

इस दिशा में वास्तुदोष आ जाने पर महिला वर्ग को पुरुषों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है।

दक्षिण-पूर्व दिशा

इस दिशा में जलस्त्रोत बनवाने से या जल इकठ्ठा करने से आंत, आमाशय, फेफड़े आदि के रोग घर के लोगों को होने की संभावना बढ़ जाती है।

वायव्य कोण

यहां भारी सामान रखने की व्यवस्था हानिकारक साबित होती है। वायु पीड़ा, हड्डी के रोग और मानसिक विकार आदि भारी सामान इस दिशा में रखने से उत्पन्न हो सकते है।

दक्षिण-पश्चिम कोण

यह जोन यदि खाली और हल्का रहता है तो घर के सदस्यों में तनाव, गुस्सा अधिक होता है। हृदय रोग, जोड़ों का दर्द ,खून की कमी ,पीलिया, आंखों की बीमारी और हाजमे की खराबी आदि रोग होने की संभावना रहती है।

ब्रह्मस्थान

ईशान कोण की तरह ब्रह्मस्थान का भी हल्का और साफ रहना बहुत आवश्यक है। यहां पर भारी सामान हो तो घर के लोग उन्माद का शिकार हो जाते हैं। जिससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है और तनाव रहने लगता है।

कार्नर न्यूज

आजकल खूबसूरत स्टाइल, आकार, रंग, पैटर्न और बनावट में आसानी से मिलते हैं टाइल्स

अपने कमरों के फर्श को बनाएं क्लासी, घर की सुंदरता में लग जाएंगे चार चांद

घर का फर्श बच्चों का पहला प्लेग्राउंड होता है, जिसे साफ-सुथरा होने के साथ खूबसूरत भी होना चाहिए। स्टाइलिश टाइल्स लगाकर आप फर्श को खूबसूरत और क्लासी लुक दे सकती हैं। अगर आप नया घर बनवा रही हैं या अपने घर में रिनोवेशन कराने के बारे में सोच रही हैं तो घर में अच्छी और खूबसूरत टाइल्स लगवा सकती हैं। खूबसूरत टाइल्स लगाने से फर्श और दीवारों को एक नया लुक मिलेगा और आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। आजकल खूबसूरत से खूबसूरत स्टाइल, आकार, रंग, पैटर्न और बनावट में आसानी से और सस्ते में मिल जाती हैं। जिससे आप घर की खूबसूरती को चार चांद लगा सकती हैं।

चीनी मिट्टी: आजकल चीनी मिट्टी की टाइल्स लोगों की खास पसंद हैं। चीनी मिट्टी की टाइल्स काफी मजबूत होती है। इसलिए लोग इसे बाहरी फर्श के लिए उपयोग में लाना पसंद कर रहे हैं।

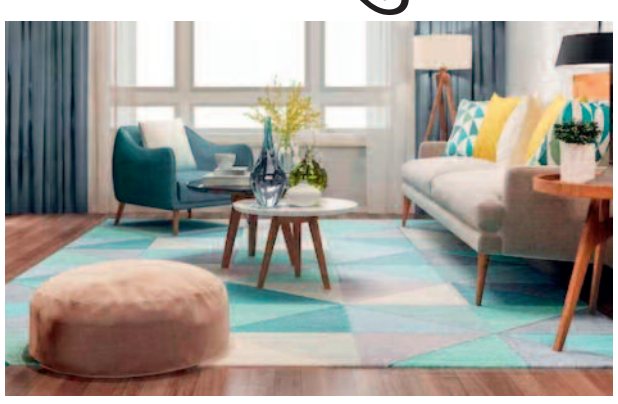

सिरेमिक: सिरेमिक टाइल्स, सिरेमिक सामग्री से बनी एक पतली, सपाट सतह वाली टाइल होती है, जो कि काफी मजबूत होती हैं। इसे ज्यादा रखरखाव की जरुरत नहीं होती,

इसलिए लोग इसे घरेलू फर्श के रूप में लगाना ज्यादा पसंद करते हैं। सिरेमिक टाइल कई रंगों, पैटर्नों और आकारों की होती है, ये बाजारों में आसानी से मिल जाती हैं। इसलिए आपको अपनी पसंद की डिजाइन की टाइल्स ढूंढने में परेशानी नहीं आती है।

कांच की टाइल्स: कांच की टाइल्स कई अलग-अलग रंगों में आसानी से मिल जाती हैं, जिनमें सफेद, मटमैला और भूरा रंग शामिल हैं, ये देखने में बहुत सुंदर दिखाई देती हैं। इसे लगाने से आपका घर लाजवाब दिखेगा। यह टाइलें चिकनी होती हैं, इसपर दाग आसानी से नहीं लगते, इसलिए आजकल कांच की टाइल्स को लोग ज्यादा पसंद करते हैं।

टेराकोटा: ये चौकोर डिजाइन वाली टाइल्स होती है, इसलिए इसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इन टाइल्स का उपयोग कर आप अपने घर की सजावट को क्लासिक लुक देने के लिए कर सकते हैं। ये टाइल्स आरामदायक और गर्माहट का अहसास कराती हैं, जिन्हें कमरों और दीवारों पर सजावट के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है।

लकड़ी की टाइल्स: लकड़ी की टाइल्स भी आजकल खासी पसंद की जाती है। ये टाइल्स दो तरह की होती हैं, एक हार्ड वुड और दूसरी फॉक्स वुड। हार्ड वुड एक कॉमन फ्लोरिंग ऑप्शन है और इसकी सुंदरता के कारण लोग इसे बहुत पसंद करते हैं।

टेराजो: यह एक मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक साथ देने वाली टाइल्स है, जो कई रंगों और डिजाइनों में आती हैं। ये टाइल्स मोजेक की तुलना में अधिक मजबूत होती हैं और खूबसूरत दिखती हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एमी शूमर का नया लुक बना चर्चा का विषय, शेयर किया ऐसा अनुभव कि फैंस रह गए दंग

अपने बढ़े हुए वजन के बारे में अक्सर बात करने वाली अभिनेत्री एमी शूमर एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनकी एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अभिनेत्री एमी शूमर अपने नए लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। अपना वजन घटाने के बाद 44 साल की अभिनेत्री सोमवार को सड़क पर घूमने निकलीं। इस दौरान 'आई फील प्रिटी' की अभिनेत्री ने दो रंगों वाला स्वेटर और जींस पहनी थी। इसमें लग रहा था कि उन्होंने अपना वजन घटा लिया है। अपने लुक को उन्होंने सनग्लास और खुले बालों से कंपलीट किया था। एमी शूमर तब सुर्खियों में आ गईं जब उन्होंने अपने दोस्तों के साथ लास वेगास की हालिया यात्रा की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की। रविवार 5 अक्टूबर को साझा की गई तस्वीर में एमी शूमर ने निर्माता एलेक्स सैक्स और जिलियन बेल के साथ एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर को फैंस ने लाइक किया और इस पर कमेंट किए।

एमी शूमर की तस्वीर पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'आप बहुत खूबसूरत और खुश लग रही हैं।' एक और यूजर ने लिखा 'आप कमाल की लग रही हैं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'आपके पैर बहुत खूबसूरत लग रहे हैं।' कई अच्छे कमेंट देखने के बाद एमी शूमर ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा 'मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरे पैर आपका शुक्रिया अदा करते हैं!' आपको बता दें कि शूमर पहले भी अपने वजन की समस्या के बारे में खुलकर बात करती रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले वजन कम करने वाली दवा खाई थी।

टॉलीवुड

प्रभास की 'फौजी' पर विवाद, एक्ट्रेस इमानवी के नाम पर बिफरे यूजर्स

प्रभास और हनु राघवपुडी की फिल्मा 'फौजी' फिर से विवादों में आ गई है। मेकर्स ने फिल्म की एक्ट्रेस के जन्म दिन पर एक साधारण पोस्ट किया था, जिसके बाद इंटरनेट यूजर्स के आरोपों की झड़ी लग गई है। लोगों का कहना है कि इमानवी का असली नाम इमान इकबाल इस्माडइल है और वह कथित तौर पर पाकिस्तानी मूल की हैं।

डायरेक्टर हनु राघवपुडी की इस फिल्मं में प्रभास के अपोजिट इमानवी को कास्ट किया गया है। 29 साल की इमानवी के जन्मदिन पर मेकर्स ने एक बर्थडे पोस्ट डाला। देखते ही देखते कॉमेंट सेक्शन में आरोपों की बाढ़ आ गई। 'फौजी' का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के बैनर तले हो रहा है। मेकर्स को शायद ही यह अंदाजा नहीं था कि एक साधारण जन्मदिन की शुभकामना का पोस्ट, उन पर भारी पड़ जाएग और इस तरह विवाद को जन्मन देगा। वैसे, इसी साल अप्रैल में भी पहलगाम हमले के बाद इमानवी के पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर खूब बवाल मचा था। तब एक्ट्रेस ने इस पर सफाई देते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट भी किया था। कुछ यूजर्स ने यहां तक कहा है कि एक्ट्रेस ने भारतीय दर्शकों के बीच विवाद से बचने के लिए ही अपना नाम बदला है। एक यूजर ने दावा किया है कि इमानवी के कुछ पिछले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पाकिस्तानी झंडे वाला इमोजी दिखाई देता था, जिसे अब हटा दिया गया है। यूजर्स का कहना है कि इमानवी एक पाकिस्तानी सेना अधिकारी की बेटी हैं। इससे पहले जब अप्रैल में इसी तरह के आरोप लगे थे, तब इमानवी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए इमोशनल पोस्ट किया था। उन्होंरने कहा था कि पहलगाम की घटना ने उन्हें गहरा दुख दिया है। एक्ट्रेस ने लिखा था, 'ये ऑनलाइन ट्रोल द्वारा गढ़ी झूठी बातें हैं, जो नफरत फैलाने और लोगों को बांटने के लिए हैं।

भोजपुरी

खूब ट्रेंड हो रहा आम्रपाली का गाना, एक्टर विक्रांत के साथ उड़ाया गर्दा

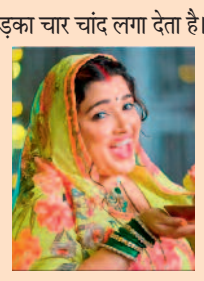

फेस्टिवल के रंगों में म्यूजिक का तड़का चार चांद लगा देता है। बॉलीवुड के साथ-साथ भोजपुरी गानों का क्रेज भी अब काफी बढ़ गया है। दिवाली के मौके पर कई नए गाने रिलीज हुए। मगर, इस मामले में आम्रपाली दुबे का हाल ही में रिलीज हुआ भोजपुरी सॉन्ग 'आई है दिवाली' काफी ट्रेंड हो रहा है। आम्रपाली दुबे के साथ 'आई है दिवाली' गाने में भोजपुरी एक्टर विक्रांत सिंह नजर आए हैं। यह गाना 'सास बहू यमराज' फिल्म का है। इसे एसआरके म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गाने में दिवाली के त्योहार की रौनक, परिवार की खुशियां नजर आ रही हैं। विक्रांत और आम्रपाली की केमिस्ट्री काफी कमाल है। आम्रपाली दुबे और विक्रांत ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री सीधे पल्लू की येलो कलर की साड़ी पहने ग्रेसफुल लग रही हैं। आम्रपाली दीये जला रही हैं। यह पारिवारिक गाना है, जिसमें त्योहार का जश्न दिखाई दे रहा है। वहीं, विक्रांत का अंदाज भी दिल जीतने वाला है। इस गाने को आलोक कुमार और प्रियंका सिंह ने गाया है। सॉन्ग के लिरिक्स शेखर मधुर ने लिखे हैं। गाने पर यूजर्स के पॉजिटिव रिएक्शंस आए हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, दिवाली के सेलिब्रेशन में यह गाना और रौनक लगाएगा। साथ ही फेस्टिवल की बधाई भी दे रहे हैं। इस फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प है। आम्रपाली के किरदार का कोई भाई नहीं है, तो वह उनके घर आए मौत के दूत यमराज को अपनी दुख भरी कहानी सुनाकर अपना भाई बना लेती हैं। इस फिल्म में आम्रपाली और विक्रांत के अलावा रितु चौहान, अनुषा शर्मा, अयाज खान, श्रद्धा नवल, विद्या सिंह, आशुतोष तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, शनि शर्मा, साहिल सिद्दीकी, और दीप्ति तिवारी जैसे सितारे हैं।

मन का मनका

मॉडल राल्फ लॉरेन ने इसाबेल मैरेंट की राह पर चलते हुए मनके वाले आभूषणों की नुमाइश की। जिसने कैटवॉक पर क्रीम और नीले रंग के पेस्टल रंगों में पुरानी यादों को ताजा कर दिया। लिनन और टॉप्स के साथ उनकी ड्रेस एक अलग रंग बिखेर रही थी।

लाइफ स्टाइल

हर मेकअप प्रोडक्ट के लिए इस्तेमाल होता है अलग ब्रश, जानें इन्हें इस्तेमाल करने का तरीका

आज के समय में चाहे पुरुष हो या महिला, हर किसी की जिंदगी में मेकअप की काफी अहम भूमिका होती है। मेकअप करने से सिर्फ खूबसूरती में चार चांद नहीं लगते, बल्कि साथ में इसके इस्तेमाल से लोगों का आत्मविश्वास भी बढ़ जाता है। अगर आपको मेकअप करना आता है तो आप पूरी तरीके से अपने लुक में बदलाव ला सकते हैं। दरअसल, सही से मेकअप करना एक कला है, ऐसे में ठीक कला की ही तरह मेकअप के लिए भी सही प्रकार के ब्रश की जरूरत पड़ती है। अगर आप मेकअप के दौरान गलत ब्रश का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपका मेकअप बिगड़ सकता है।

फाउंडेशन ब्रश

लिक्विड फाउंडेशन का इस्तेमाल करने से लिए सबसे पहले फाउंडेशन ब्रश का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इस ब्रश की मदद से फाउंडेशन बराबर मात्रा में फैलता है और फ्लोलेस कवरेज देता है। फाउंडेशन ब्रश की मोटाई अच्छी खासी होती है और इसे ब्रिसल्स मुलायम व लचीले होते हैं।

फैन ब्रश

जब मेकअप करते वक्त चेहरे पर अतिरिक्त पाउडर लग जाता है तो ये ब्रश इसे हटाने में मदद करता है। यह आकार में फैन की तरह चपटा होता है, इसलिए इसे फैन ब्रश बोलते हैं।

आईशैडो ब्रश

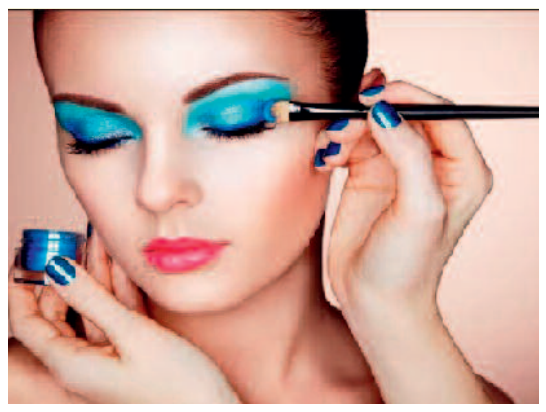

अगर आपको आई मेकअप करना पसंद है तो आईशैडो ब्रश के बारे में आपको पता होना बेहद जरूरी है। आईशैडो के लिए अलग-अलग प्रकार के ब्रश आते हैं। ऐसे में इन्हें अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करें।

लिप ब्रश

सही से लिपस्टिक लगाने के लिए लिप ब्रश काफी जरूरी होता है। ऐसे में आप इसे जरूर अपने बैग में रखें। ये ज्यादा मोटा नहीं होता है। इससे लिपस्टिक लगाने में आसानी होती है।

त्यौहार-शादियों के लिए तैयार कराएं ऐसे लहंगे, जो रहते हैं हमेशा चलन में

इन दिनों त्यौहारों के साथ-साथ अब आगे शादियों का माहौल रहेगा। लोग नए-नए कपड़े खरीदते हैं और पारंपरिक तरह से तैयार होते हैं। अगर बात करें महिलाओं की तो हर महिला को लहंगा पहनना बेहद पसंद है। ऐसे में आप इस मौके के लिए लहंगा तैयार करा सकती हैं। आज आपको लहंगे के कुछ लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना चाहिए, जिससे आप भी महफिल में अपना जलवा दिखा सकती हैं।

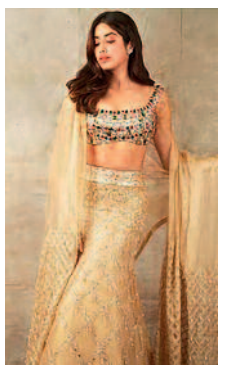

फिशकट गोल्डन लहंगा

अगर आप कुछ अलग बनवाने का सोच रही हैं तो खास डिजाइन वाला फिशकट लहंगा आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। ये देखने में स्टाइलिश लगता है।

हैवी वर्क वाला ब्लू लहंगा

स्टाइलिश लहंगा देखने में काफी क्लासी लगता है। इस तरह के लहंगे में आप खूबसूरत के साथ आप अपना ग्लैमरस अंदाज भी दिखा सकती हैं।

पीले रंग का लहंगा देगा अलग लुक

पीले रंग का लहंगा देखने में काफी क्लासी लगता है। मॉडल के साथ ये लहंगा लुक देखने में काफी प्यारा लग रहा है। आप उन्हीं की तरह लहंगा बनवा सकती हैं।

सिल्क फैब्रिक में हैवी लहंगा

अगर आपको सिल्क फैब्रिक का लहंगा पसंद है तो ये एक बेहतर ऑप्शन है। सिल्क के फैब्रिक में आजकल ऐसा हैवी वर्क का लहंगा भी काफी चलन में है। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

इंडो वेस्टर्न लहंगा लुक

अगर आप लहंगे के साथ इंडो वेस्टर्न लुक कैरी करना चाहती हैं तो यह खास लहंगा एक बेहतर विकल्प है। इसके लिए आपको लहंगे के दुपट्टे को खास अंदाज में कैरी करना है।

प्याज का रस बालों में लगाने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

जब बालों की केयर की बात होती है, तो प्याज का रस बेहद कमाल काम करता है। दरअसल इसमें ऐसे कंपाउंड होते हैं, जो बैक्टीरिया और फंगस से लड़कर आपके बालों को हेल्दी बनाते हैं। इसमें मौजूद सल्फर बालों को टूटने और पतला होने से बचाता है। साथ ही साथ, इसके एंटीऑक्सीडेंट बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकने में मदद कर सकता है।

जरूर करें डायलूट

प्याज का रस बालों व स्कैल्प के लिए बेहद ही लाभकारी है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना जरूरी होता है। हमेशा ध्यान रखें कि आप इसे डायलूट करके ही अपने बालों में इस्तेमाल करें। आाप एक भाग प्याज का रस (प्याज के रस से बालों की ग्रोथ कैसे करें) और दो से तीन भाग तेल डालकर मिक्स करें। इसके बाद ही आप प्याज का रस बालों में लगाएं। आप प्याज के रस में नारियल तेल या जैतून तेल मिक्स कर सकते हैं।

करें पैच टेस्ट

अगर आप पहली बार प्याज का रस अपनी स्कैल्प पर लगा रही हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप एक बार पैच टेस्ट जरूर करें। इससे आपको किसी भी तरह के एलर्जिक रिएक्शन और स्किन सेंसेटिविटी के बारे में पता चलेगा। एक बार प्याज का रस एक छोटे से एरिया पर लगाने के बाद आप कम से कम 24 घंटे इंतजार करें जिससे कि कोई नेगेटिव रिएक्शन न हो।

ताजा हो प्याज का रस

अगर आप चाहती हैं कि प्याज का रस इस्तेमाल करने से आपको मैक्सिमम लाभ मिले, तो हमेशा फ्रेश प्याज के रस का ही इस्तेमाल करें।

कॉटन पैड की मदद से करें आई मेकअप

फटाफट आई मेकअप करने के लिए सबसे पहले सारे सामान को एक जगह इकट्ठ कर लें। फिर सबसे पहले अपनी आंखों पर कंसीलर अप्लाई करें। अब जिस भी कलर का आउटफिट आपको वियर करना है उस कलर को ब्रश में हैं। इसे सीधा अप्लाई नहीं करना है सही तरीके से लगाने के लिए आपको कॉटन पैड लेना है। इसे कोन डिजाइन में फोल्ड करें। फिर इसे लीड पर रखें। अब ब्रश की मदद से आई शैडो लगाएं। इस बात का ध्यान रखें की अगर आपको कैट आई मेकअप करना है तो उसी तरीके (आई मेकअप टिप्स) से कॉटन पैड को लगाना होगा फिर ब्रश की मदद से कलर को अप्लाई करना होगा। फिस लाइनर लगाएं और पलकों को घनी करने के लिए मस्कारा अप्लाई करें। इस तरीके से कुछ ही सेकेंड में आपका आई मेकअप परफेक्ट हो जाएगा। इसके बाद आपको किसी भी तरह के ब्रश या फिर पार्लर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप ग्लिटर आई मेकअप लुक क्रिएट कर सकती हैं। स्मोकी आई मेकअप लुक भी आप क्रिएट कर सकती हैं। रेड आई मेकअप लुक भी करवा चौथ पर काफी अच्छा लगेगा। सिंपल आई मेकअप लुक भी आप ट्राई कर सकती हैं।

ध्यान देने वाली एक और बात यह है कि ज़्यादा ज़ोर से रगड़ने से आपकी आँखों और पलकों के आसपास की संवेदनशील त्वचा को नुकसान पहुँच सकता है। इसलिए,

आँखों का मेकअप हटाते समय ज़्यादा ज़ोर से रगड़ना ज़रूरी नहीं है। इसके अलावा, आप लंबे समय तक टिकने वाले, पानी प्रतिरोधी आई मेकअप की जगह आसानी से हटाए जा सकने वाले या धोने योग्य मेकअप का इस्तेमाल कर सकती हैं। कुछ आई प्रोडक्ट्स, खासकर नकली पलकें या ग्लिटर वाला आई मेकअप, आँखों के लिए ख़ास तौर पर परेशान करने वाला हो सकता है । अगर आपको आँखों में जलन हो रही है, तो यह ज़रूरी है कि आप सूखी आँखों को इसकी वजह न समझें। हमारी सूखी आँखों के मूल्यांकन और उपचार के बारे में जानें।

हर चीज़ को सावधानी से संभालें

अपनी आंखों का मेकअप हटाने के लिए, सबसे पहले संवेदनशील आंखों के लिए तैयार किए गए आई मेकअप रिमूवर का उपयोग करें, या प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का उपयोग करें।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में कार्गो पैंट का ट्रेंड है दुनिया भर में

कार्गो पैंट हैं आपकी फेवरेट तो बेस्ट लुक के लिए याद रखिए स्टाइलिंग टिप्स, लोग फिदा हो जाएंगे आपकी इन अदाओं पर

पुरुषों के पास कपड़ों में वैरायटी कम होती है। लेकिन फिर भी विकल्प कई होते हैं। जैसे पैंट्स में ही उन्हें कई ऑप्शन मिल जाते हैं। बस इन ऑप्शन में से अपने लिए कोई खास चुनना होता है। इसमें ऐसा चुनाव करना होता है जो आप पर अच्छा लगे और मौके के हिसाब से भी ठीक हो। कार्गो पैंट्स भी इन्हीं में से एक हैं। लेकिन ज्यादातर पुरुष इन्हें हैंगआउट जैसे मौकों के लिए ही रखते हैं। लेकिन कार्गो के लिए सिर्फ मौके की नहीं स्टाइलिंग की भी जरूरत होती है। मतलब कार्गो पहननी है तो आपको स्टाइलिंग के कुछ खास विकल्पों को सीखना और समझना होगा, तब ही आप बेस्ट रिजल्ट पा सकेंगे। कार्गों को स्टाइल करने के लिए किन बातों का ध्यान रखना होगा, जानिए-तीन तरह की कार्गो पैंट्स में क्लासिक

यूटिलिटी पैंट्स, कार्गो जॉगर्स और स्किनी कॉम्बाट ट्राउजर्स चलन में है।

स्लिम और स्ट्रेट कट

कार्गो पैंट्स अक्सर ढीले पैटर्न में बनी होती हैं। इस वजह से ये हर बॉडी टाइप पर सूट नहीं करती हैं। जबकि इस वक्त सबसे बेहतरीन कार्गो पैंट्स वो हैं जो स्लिम या फिर स्ट्रेट कट में बनी हों। ओवरसाइज़ कार्गो पैंट्स भी काफी पसंद की जा रही है लेकिन इतनी ढीली नहीं होनी चाहिए कि आप मजाक ही बन जाएं। इसलिए अपनी हाइट और पर्सनालिटी को देखते हुए स्ट्रेट, स्लिम या ओवरसाइज़ में से चुनाव करें।

फैब्रिक हो ऐसा

कार्गो के स्टाइल और पैटर्न पर तो बात हो गई लेकिन इसके फैब्रिक के बारे में भी जान लीजिए। काग्रो में हमेशा कॉटन या कार्डरी मटेरियल ठीक रहता है। आप इन्हीं में से चुनाव करें।

कार्गो पैंट्स और स्टाइल

कार्गो का स्टाइल मिलिट्री जैकेट्स के साथ सबसे अच्छा लगता है। लेकिन कार्गो के साथ मिलिट्री जैकेट पहनकर ऐसा लगता है मानो अभी-अभी मिशन से आए हों। इसलिए इन पैंट्स के साथ डेनिम जैकेट का कॉम्बिनेशन कीजिए। इसके साथ हाइकिंग बूट्स पहनिए। ये लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। गर्मी का मौसम है तो इस वक्त ओवरसाइज़ टीशर्ट और सफ़ेद स्नीकर्स भी पहने जा सकते हैं।